हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार | 16 अक्टूबर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 151 | पृष्ठ - 14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र-झारखंड में कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत, पर्यवेक्षकों की हुई नियुक्ति, गहलोत-पायलट को सौंपी अहम जिम्मेदारी,

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। इसमें अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे नेताओं को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अशोक गहलोत और जी परमेश्वर को मुंबई और कोंकण क्षेत्र की देखभाल के लिए और सचिन पायलट और उत्तम कुमार रेड्डी को मराठवाड़ा क्षेत्र की देखरेख के लिए नियुक्त किया गया। भूपेश बघेल, चरणजीत सिंह चन्नी और उमंग सिंघार विदर्भ क्षेत्र (अमरावती और नागपुर) की देखभाल करेंगे।पार्टी ने कहा कि सैयद नसीर हुसैन और डी अनसूया सीताक्का को उत्तर महाराष्ट्र के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियाँ महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं की यहां पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के एक दिन बाद हुई है। कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने दावा किया है कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटकों के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई मुद्दा नहीं है और गठबंधन भाजपा की भयानक रणनीति पर काबू पाकर राज्य में सरकार बनाएगा।

IMC 2024: एशिया के सबसे बड़े टेक इवेंट का आगाज,

पीएम मोदी ने बताई भारतीय टेक्नोलॉजी की ये बातें

यह सम्मेलन 15 अक्टूबर को इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के साथ होगा। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ-विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (आईटीयू- डब्ल्यूटीएसए) 2024 भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहली बार भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी।

एजेंसी

नई दिल्ली:मोदी ने भारत में पहले दूरसंचार मानक सम्मेलन का उद्घाटन किया। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह सम्मेलन 15 अक्टूबर को इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के साथ होगा। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ-विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (आईटीयू-डब्ल्यूटीएसए) 2024 भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहली बार भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत टेलीकॉम और उससे जुड़े तकनीक के मामले में दुनिया के सबसे हैपनिंग देशों में से एक है। भारत में जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं, 95 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जहां दुनिया के 40% से अधिक वास्तविक समय में डिजिटल ट्रांसेक्शन होते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी को अंतिम-मील वितरण प्रभावी उपकरण के रूप में दिखाया गया है, वहां पर चर्चा वैश्विक दूरसंचार की स्थिति और भविष्य पर चर्चा वैश्विक

गुड का माध्यम बनेगा। अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ और विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (हळरअ) का एक साथ होना भी महत्वपूर्ण है। हळरअ का लक्ष्य गोबल स्टैंडर्ड पर काम कर रहा है। वही इंडिया मोबाइल कांग्रेस की बड़ी भूमिका सर्विसेज के साथ जुड़ी हुई है। आज भारत में गुणवत्ता सर्विसेज बहुत ज्यादा फोकस कर रहे है। हम मानक पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। डब्ल्यूटीएसए 2024 के साथ ही इंडिया मोबाइल कांग्रेस का आठवां संस्करण भी हो रहा है। दूरसंचार विभाग के समर्थन से, आईएमसी ने आकार और दायरे में काफी विस्तार किया है, जिसका लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में अपनी वैश्विक भागीदारी को दोगुना करना है। 120 से अधिक देशों के भाग लेने की उम्मीद है, जिससे एशिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी एक्सपो और वैश्विक डिजिटल परिवर्तन में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में आईएमसी की स्थिति मजबूत हो जाएगी इस वर्ष के कांग्रेस का विषय "फ्यूचर इज नाउ" है, जिसमें क्वांटम प्रौद्योगिकी, सर्कुलर इकोनॉमी, 6जी प्रगति और 5जी उपयोग के मामलों को प्रदर्शित करने जैसे अत्याधुनिक विषयों पर चर्चा शामिल होगी। यह आयोजन क्लाउड और एज कंप्यूटिंग, क्ल्लळ, सेमीकंडक्टर, सैटेलाइट संचार (सैटकॉम) और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सहित क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

विपक्ष के आरोपों का चुनाव आयुक्त ने दिया जवाब, CEC बोले- 100 फीसदी फुलप्रूफ हैं EVM

एजेंसी

महाराष्ट्र:महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव की तारीखों की चुनाव आयोग की घोषणा से पहले विपक्षी दलों ने एक बार फिर ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि जनता ने मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब दे दिया है। कुमार ने कहा कि जनता मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब देती है। जहां तक ??ईवीएम का सवाल है, वे 100 फीसदी फुलप्रूफ हैं। अगर वे आज फिर सवाल उठाएंगे तो हम उन्हें फिर से बताएंगे इससे पहले, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इजरायल द्वारा आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के पेजर्स को हैक करने का उदाहरण देते हुए दावा किया था कि ईवीएम में हेरफेर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्ष को इस बात के लिए दबाव बनाना चाहिए कि ईवीएम से नहीं बल्कि बैलेट पेपर से वोटिंग हो। अन्यथा, महाराष्ट्र में, भाजपा सरकार और चुनाव आयोग कुछ भी कर सकती

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि जनता मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब देती है। जहां तक ??ईवीएम का सवाल है, वे 100 फीसदी फुलप्रूफ हैं। अगर वे आज फिर सवाल उठाएंगे तो हम उन्हें फिर से बताएंगे।

हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि इजराइल पेजर और वॉकी-टॉकी के इस्तेमाल से लोगों को मार सकता है, तो ईवीएम कहां है? इजराइल के साथ पीएम के बहुत अच्छे रिश्ते हैं। इजराइल ऐसी चीजों में माहिर है। ईवीएम का बड़ा खेल कहीं भी हो सकता है और उसके लिए बीजेपी चुनाव से पहले ये सब खेल कर लेती है। पिछले हफ्ते, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ईसीआई को एक ज्ञापन सौंपा था, और कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि निकाय इस मुद्दे पर संज्ञान लेगा।

उमर अब्दुल्ला के शपथ में दिखेगा इंडिया ब्लॉक का दम,

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर:नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला 16 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को मनोनीत सीएम को एक पत्र भेजकर उन्हें शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया। ऐतिहासिक शपथ समारोह में इंडिया ब्लॉक, एनसी और अन्य दलों वाले विपक्षी मोर्चे के कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है, जिनमें से अधिकांश के आज पहुंचने की उम्मीद है नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे, एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन की बहन कनिमोझी करुणानिधि, सीपीआई नेता डी राजा।

चाहे 84 का हो जाऊं या 90 का, महाराष्ट्र को पटरी पर लाने तक यह बूढ़ा रुकेगा नहीं : पवार

एजेंसी

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाने तक आराम से नहीं बैठेंगे चाहे वह कितने ही बूढ़े क्यों न हो जाएं। पवार ने महाराष्ट्र में सातारा जिले के फलटण में सोमवार को कहा कि चाहे 84 वर्ष का हो जाऊं या 90, यह बूढ़ा आदमी नहीं रुकेगा। वह राकांपा नेता रामराजे नाइक निंबालकर के भाई संजीव राजे नाइक निंबालकर और फलटण के विधायक दीपक चह्वाण को राकांपा (एसपी) में शामिल करने के लिए

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के कुछ युवा सदस्यों को उनकी तस्वीरों वाले बैनर लिए देखा था।

मतदाता न्याय करेंगे और शिवसेना (यूबीटी) को इसका इंतजार है: आदित्य ने विस चुनाव पर कहा

एजेंसी

महाराष्ट्र:आदित्य ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी न्याय और महाराष्ट्र सरकार के बदलने का इंतजार कर रही थी जो अब मतदाताओं द्वारा किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को एक ही चरण में चुनाव होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। मुंबई । शिवसेना(यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी न्याय और महाराष्ट्र सरकार के बदलने का इंतजार कर रही थी जो अब मतदाताओं द्वारा किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को

घोषणा की कि महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को एक ही चरण में चुनाव होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच हाएक्सह्व पर जारी पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र के रूप में हम सभी जिस क्षण का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वह आ गया है। 20 नवंबर मतदान का दिन है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए)जो बदलाव लाना चाहता है।

भाजपा को जल्द मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष, चुनाव पदाधिकारियों के नाम का पार्टी ने कर दिया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली:आज चुनाव आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। दोनों ही राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आ जाएंगे। इन सब के बीच भाजपा में भी संगठन चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। दरअसल, भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का चुनाव कराने जा रही है। इसी के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव होगा। आपको बता दें कि वर्तमान में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पहले

ही पूरा हो गया है। वह मोदी सरकार में मंत्री भी है। भाजपा हमेशा एक व्यक्ति एक पद पर फोकस करती है। ऐसे में संगठन का चुनाव करना उसके लिए जरूरी हो गया है।यही कारण है कि भाजपा ने संगठन के चुनाव कराने के लिए अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए बकायदा भाजपा की ओर से प्रेस रिलीज जारी किया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसले के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉक्टर के लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी की नियुक्त किया है। उनके साथ नरेश बंसल, रेखा वर्मा और संबित पात्रा राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी होंगे। इसे तत्काल लागू कर दिया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा को बहुत जल्द ही नया अध्यक्ष मिल सकता है।

ऑनलाइन पंजीकरण के बिना भी तीर्थयात्रियों को सबरीमला में दर्शन की सुविधा मिलेगी: विजयन

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम:तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने स्पष्ट किया कि वर्चुअल बुकिंग (ऑनलाइन पंजीकरण) कराए बिना सबरीमाला आने वाले तीर्थयात्रियों को भी भगवान अयप्पा मंदिर में सुचारू दर्शन की सुविधा प्रदान की जाएगी। व्यापक विरोध के बीच पिनराई विजयन सरकार ने आगामी तीर्थयात्रा के दौरान केवल वर्चुअल कतार बुकिंग (ऑनलाइन) के माध्यम से दर्शन प्रदान करने के अपने पहले के

फैसले को बदल दिया। मुख्यमंत्री विजयन ने इस संबंध में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता के वी जॉय द्वारा इस मुद्दे का उल्लेख किए जाने पर विधानसभा में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, बिना वर्चुअल कतार बुकिंग के आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए भी सुचारू दर्शन की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी...उन लोगों के लिए भी दर्शन सुनिश्चित किए जाएंगे जिन्होंने ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराया है और जो प्रणाली के बारे में जाने बिना आते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीर्थयात्रा सीजन के दौरान भी मंदिर में इसी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की गई थीं।

इंडिया ब्लॉकटँ1 में चुनाव के ऐलान के साथ ही कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा इसकी सुगबुगाहट तेज, महायुति और एमवीए का क्या है समीकरण?

एजेंसी

महाराष्ट्र:भारत के निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य में 20 नवंबर को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव की घोषणा के साथ ही इस बात की चर्चा तेज हो चली है कि महायुति और महाविकास अघाड़ी में कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 150 से 160 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महायुति मे शामिल बीजेपी सबसे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सत्तारूढ़ गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना 85 और अजित पवार की एनसीपी 50 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है। सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस की तरफ से बयान सामने आया है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि सीट बंटवारे की बैठक अभी पूरी तरह से पूरी नहीं की गई है। 288 सीटों पर महा विकास अघाड़ी चुनाव लड़ेगी। चुनाव को लेकर हमारी पूरी तैयारी है।

पंचायत चुनाव लड़ने से लेकर सरकार में मंत्री पद संभालने वाले अब्दुल सत्तार का संघर्षपूर्ण रहा है राजनीतिक सफर

एजेंसी

महाराष्ट्र:पिछले 15 साल से जालना क्षेत्र की सिल्लौद विधानसभा सीट की जिम्मेदारी संभाल रहे अब्दुल सत्तार नबी का राजनीतिक जीवन कठिन परिश्रम का एक उदाहरण है। सत्तार ने अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत 1984 में पंचायत चुनाव लड़ने से की थी। इसके बाद वे राजनीति के कई अन्य पड़ाव पार करते हुए विधायक पद तक पहुंचे हैं और फिलहाल एकनाथ शिंदे की कैबिनेट में मंत्री पद संभाल रहे हैं। कांग्रेस के साथ अपना सफर शुरू करने वाले सत्तार ने 2022 में शिवसेना के दो धड़ों में बंटने के बाद शिंदे गुट में जाने का फैसला किया था। वे 2014 में महाराष्ट्र में कांग्रेस सरकार में कुछ समय के लिए मंत्री रहे। 2019 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और शिवसेना में शामिल हो गए। उन्होंने राज्य के पशुपालन मंत्री के रूप में कार्य किया है। 1984 में सत्तार

ने ग्राम पंचायत चुनाव में सफलतापूर्वक भाग लिया और 1994-95 में तालुका राजनीति में प्रवेश किया। जिसके बाद मार्च 1994 को सत्तार सिल्लोड शहर के मेयर बने। उन्होंने 1999 में विधान सभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनने के लिए कांग्रेस से संपर्क किया, लेकिन असफल रहे। वे एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में खड़े हुए और दूसरे स्थान पर रहे। 2001 में वे सिल्लोड के एमएलसी चुने गए। विधायक के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब्दुल सत्तार ने 2004 का विधान सभा चुनाव लड़ा, जिसमें वे 301 मतों से हार गए। अब्दुल सत्तार नबी 2009 में औरंगाबाद जिले के सिल्लोड निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चुने गए। उन्होंने स्थानीय राजनीतिक नेता प्रभाकर पालोडकर की मदद से 30,000 मतों के अंतर से जीत हासिल की, जो हाल ही में 12 वर्षों के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। 2014 में उन्होंने विधानसभा में दूसरा कार्यकाल जीता और उन्हें पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास पोर्टफोलियो के साथ कैबिनेट मंत्री नियुक्त किया गया। 2016 में उन्होंने महाराष्ट्र राज्य में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए याचिका भी दायर की थी। 22 मार्च 2017 को सत्तार को 18 अन्य विधायकों के साथ राज्य के बजट सत्र के दौरान महाराष्ट्र के वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बाधित करने और चार दिन पहले विधानसभा के बाहर बजट की प्रतियां जलाने के लिए 31 दिसंबर तक निलंबित कर दिया गया था।

मदरसा उम्मूल कुरा लिल बनात म अकीदत और मोहब्बत के साथ उर्स गौसे आजम मनाया गया

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना: मुजफ्फरपुर के सकरा प्रखंड मनियारी गांव में चल रहे मदरसा उम्मूल कुरा हिल बनात कादरी एजुकेशनल ट्रस्ट के सौजन्य से आज खातीन मिलकर गौसे आजम का उर्स मनाया है संबोधित करते हुए मदरसा की सदर मोल्लीमा मोहतरमा अलीम फाजिला कार्या रिफत सना समस्तीपुरि ने बड़े अच्छे अंदाज में नात मन्कबत तकारीर पेश किया मोहतरमा ने संबोधित करते हुए खातिन और तालिबा से कहा के गौसे आजम शेख अब्दुल कादिर जिलानी रजी अल्लाह हो अन्हू ने अपनी जिंदगी का हर लम्हा अल्लाह और उसके रसूल की याद में समरपन कर दिया और अपनी जिंदगी का हर लम्हा अपने अल्लाह की याद में बिताया मोहतरमा ने कहा कि गौसे आजम अब्दुल कादिर जिलानी ने जब पैदा हुए और जब उम्र हुआ मकतब में जाने का जब मकतब में अपने उस्ताद के पास पढ़ने गए तो उस्ताद के सामने बगैर किसी के पढ़ाई हुई 18 पर के कुरान के हाफिज ए कुरान होकर दुनिया वालों को पैगाम दिया के बच्चा अपनी मां के पेट में रहता है और मां अगर अपने अल्लाह और उसके रसूल की याद में कुरान की तिलावत करते हुए जिंदगी गुजरती है तो ऐसा बच्चा आम बच्चा नहीं होता है बल्कि इस बच्चे का नाम अब्दुल कादिर के साथ होता है मां को नसीहत के बारे में मोहतरमा ने बताया की जब गौसे आजम बिल्कुल कम उम्र के थे मां ने कहा बेटा झूठ नहीं बोलना शेख अब्दुल कादिर जिलानी जब पढ़ने चले तो उसे चारों तरफ से डाकुओं मैं घर लिया सबने अपना-अपना सामान दे दिया जब डाकू ने इस बच्चे से पूछा कि तेरे पास क्या है तो इसने कहा मेरे पास भी खजाना है डाकुओं ने सोचा कि यह बच्चा झूठ बोल रहा है बच्चे को ले जाया गया डाकुओं के सरदार के पास जब वहां बच्चे ने अपने कपड़े से जो उसकी मां ने पैसे देकर सिल दिए थे जब वहां पर खोलकर डाकुओं के सरदार के पास पैसे दिखाई तो डाकू ने हैरत में पड़ गया और कहा के यह बच्चा तुम तो चाहते तो इस पैसे को मुझे बचा लेते फिर इस प तूने मेरे सामने क्यों रख दिया बच्चों ने जवाब दिया है डाकुओं के सरदार मेरी मां कही थी इतना भी मुसीबत पड़ जाए झूठ नहीं बोलना मैं अपनी मां की नसीहत पर अमल किया हूं और झूठ नहीं बोला हूं यह लो पैसा डाकुओं के सरदार ने जो इस बच्चे के इस अंदाज को देखा तो तमाम डाकू और डाकू की सरदार ने भी उसे बच्चों के सामने अपने काम सब कुछ से तौबा किया और वादा किया क्या आईदा में कोई भी ऐसा काम नहीं करूंगा जिससे मेरा खुदा मुझसे नाराज हो जाए मोहतरमा ने आखिर में सलातो सलाम और दुआ पर इस जलसे का को खत्म किया इस मौके पर मदरसा लिल बनात के नाजीमे आला पीर तरीकत हजरत हाफिज व कारी गुलाम नबी हसन कादरी कि अपनी खास दुआओं से दुआओं के साथ इस जलसे का खत्म किया

मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम की मनाई गई जयंती

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर)। प्रखंड के नरहन पंचायत स्थित लब्ध - प्रतिष्ठित पैराडाइज पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मिसाइल मैन वैज्ञानिक, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, दार्शनिक, एक शिक्षक, व युवाओं के प्रेरक जैसे विविध रूप में अग्रणी भूमिका निभाने वाले सच्चे राष्ट्र रत्न की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम कलाम साहेब के तैल चित्र पर माल्यार्पण प्राचार्य शोभा कांत राय, उपस्थित शिक्षकगण और छात्र छात्राओं द्वारा किया गया।एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें कलाम साहेब के जीवन मूल्य और आदर्शों पर चर्चा परिचर्चा हुई। संचालन वरिष्ठ शिक्षक राम विलास महतो ने किया। शिक्षकगणों ने कलाम साहेब के जीवन संघर्ष और प्राप्त उल्लेखनीय सफलताओं के बारे में जिक्र करते हुए उनके द्वारा बताये जीवन के अनमोल ज्ञान वर्धक सीख से सीखते हुए एक आदर्श नागरिक बने, प्रयास करना चाहिए।प्राचार्य ने न केवल छात्र छात्रा को अपितु प्रत्येक नागरिक से अपील की, कि उनके द्वारा लिखी आत्मकथा विंग्स ऑफ फायर और अन्य पुस्तकों का अध्ययन भी अवश्य करना चाहिए जिससे व्यक्ति में विषम परिस्थितियों में भी अपने गोल्स को भेदने में आत्मबल और जज्बा कायम रहता है। मौके पर शिक्षाविद अमरनाथ चौधरी, अरविंद चौधरी, प्रमोद कुमार, अर्जुन कुमार, विपिन कुमार, राम लगन महतो, मौता ठाकुर, पूनम कुमारी, अमित कुमार, अनिल कुमार, राहुल कुमार, राजा कुमार, संजू कुमारी, प्रिती कुमारी, आइसा खातून, अनुष्का, अंजली, अनंत, निलेश अर्णव आदि मौजूद थे।

गौसे आजम कॉन्फ्रेंस में गौस पीर के जीवनी पर मौलानाओं ने प्रकाश डाला

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज,15 अक्टूबर मंगलवार महाराजगंज शाही जामा मस्जिद मे एराकीने कमिटी द्वारा आयोजित पीर गौसे आजम कॉन्फ्रेंस मे आए मेहमाने खुसूशी अहले मेहमान ओलमा मौलाना हजरत सोएब रजा एलाहबादी, बुलबुले शहंशाह शायर नौशाद छपरहवी, मौलाना अब्दुल कयूम, हाफिज सुलतान राज ,इत्यादि और इन सब के खैरमकदम कर्ता व रहनुमा मौलाना असरारुल हक साहब ने जसने कॉफ्रेंस में एगारहवी शरीफ के मौके पर शाही जामा मस्जिद के अहाते मे पूरी रात जलसे मे आए जायरीनो का मन को मोहा और गौस पाक पीर औलिया एकराम के जीवनी पर तकरीर सामात फरमाया और गौसपाक के नक्शे कदम पर चलने की अपील की। वही एराकीने कमिटी के सभी सदस्यों ने जलसे मे आए मोकरिर और जायरिन के स्वागत मे कोइं कमी न रहे सभी एक पैर पर मुस्तैद थे।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में नमामि गंगे के अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में नमामि गंगे के अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक हुई आयोजित ।

एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के विक्रय एवं क्रय पर पूर्णत प्रतिबंध लगाने के लिए ठोस कार्रवाई करने का दिया निर्देश। जिला पदाधिकारी मधुबनी की अध्यक्षता में कल देर शाम को नमामि गंगे के अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई।जिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त, नगर निगम, मधुबनी, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, झंझारपुर, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, जयनगर, घोघरडिहा, बेनीपट्टी एवं फुलपरास को निर्देश दिया कि नगर निकाय क्षेत्र में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के विक्रय एवं क्रय पर पूर्णत प्रतिबंध लगाने के लिए ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सप्ताह में किसी एक दिन गहन छापामारी अभियान चलाकर बेचने वाले व्यापारी आदि पर उचित आर्थिक दंड लगाया जाए तथा उसे जप्त कर नष्ट करवा दिया जाए। बैठक में परियोजना निदेशक, बुडको, मधुबनी द्वारा बतलाया गया कि नदियों के किनारे शवदाह होने से नदी का जल प्रदूषण होता है इसके लिए उनके विभाग द्वारा शवदाह गृह बनाने की योजना है । उन्होंने बतलाया कि यदि अंचल अधिकारियों द्वारा भूमि उपलब्ध कराया जाता है तो बुडको द्वारा विभिन्न प्रखंडों में शवदाह गृह बनाने की दिशा में पहल करते हुए शवदाह गृह बना दिया जाएगा। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अंचल अधिकारियों एवं नगर निकाय के पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र में शवदाह गृह बनाने हेतु बुडको को भूमि उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने खनिज विकास पदाधिकारी, मधुबनी को निर्देश दिया कि अवैध खनन हेतु छापामारी का कार्य लगातार जारी रखें तथा अवैध खनन करने वाले व्यक्ति/संस्था के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करना सुनिश्चित करें ताकि अवैध खनन के कारण होने वाले नदियों के जल प्रदूषण एवं बाढ़ के खतरा से रोका जा सके।

उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया की ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने हेतु कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि आम लोगों को नदी के जल की महत्ता, जल की स्वच्छता एवं इससे अधिक से अधिक उपयोग करने हेतु जागरूक करें।उक्त बैठक में नगर आयुक्त अनिल चौधरी,उपनिदेशक जनसम्पर्क परिमल कुमार,प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा हेमंत कुमार सहित सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी आदि उपस्थित थे

मुख्य सचिव बिहार श्री अमृतलाल मीणा की अध्यक्षता में द्वितीय मंगलवार की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

मुख्य सचिव बिहार श्री अमृतलाल मीणा की अध्यक्षता में द्वितीय मंगलवार की बैठक दिनांक 15. 10. 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई ,जिसमें जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा द्वारा अपर समाहर्ता समस्तीपुर श्री अजय कुमार तिवारी , उप विकास आयुक्त समस्तीपुर श्री संदीप शेखर प्रियदर्शी, नगर आयुक्त समस्तीपुर श्री के डी प्रज्वल के साथ अन्य महत्वपूर्ण विभागों के पदाधिकारी यथा जिला योजना पदाधिकारी समस्तीपुर, कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन एक एवं दो, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल समस्तीपुर, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल समस्तीपुर /दलसिंहसराय /रोसडा एवं पटोरी, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल समस्तीपुर एवं रोसडा इत्यादि ने भाग लिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के पश्चात जिलाधिकारी समस्तीपुर द्वारा सभी विभागों के संबंधित पदाधिकारीगण को मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देश का अनुपालन करते हुए अनुपालन प्रतिवेदन यथाशीघ्र समर्पित करने के निमित्त निर्देशित किया गया।

चिराग पासवान जी फ्रांस में रह रहे भारतीय प्रवासियों से सुखद मुलाकात की

वरिष्ठसंवाददाता रोजनामा इंडो गल्फ प्रकाशनार्थ पटना 15/10/2024

आज फ्रांस में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री चिराग पासवान जी फ्रांस में रह रहे भारतीय प्रवासियों से सुखद मुलाकात की।इस बातचीत में श्री चिराग पासवान जी ने प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डाला और वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति को मजबूत बनाने में प्रवासी भारतीय की अहम भूमिका पर जोर दिया।

साथ ही, भारत-फ्रांस संबंधों को मजबूत करने में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार प्रकट किया और उन्हें भारत की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

28 नवम्बर को गांधी मैदान पटना में होगी ऐतिहासिक रैली- राजू तिवारी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 15 अक्टूबर, 2024लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी जी की अध्यक्षता में पार्टी के बिहार प्रदेश कार्यालय श्रीकृष्णापुरी पटना में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें रैली को ऐतिहासिक बनाने को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

उक्त बैठक में पार्टी के सभी वरीय प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुयें और उक्त रैली को सफल बनाने को लेकर अपने-अपने सुझाव और विचार रखें।रैली को सफल बनाने को लेकर सभी जिलों में बैठक किया जायेगा। सभी सांसदों को भी विभिन्न जिलों की जिम्मेवारी सौपी जायेगी। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों की प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता डॉ0 राजेश भट्ट ने प्रेस को बताया कि उक्त बैठक में मुख्य रूप से लोजपा (रा) के प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान, प्रदेश चुनाव अभियान प्रमुख सुरेन्द्र विवेक, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, प्रचार-प्रसार प्रमुख संजय कुमार सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय, सदस्यता अभियान प्रभारी संजय रविदास, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शंकर शर्मा, लेबर सेल अध्यक्ष रामप्रवेश यादव, कलमजीवी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुधांशु रंजन, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष सलीम शाहिल, चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ0 अजय कुमार, पंचायती राज प्रकोष्ठ अध्यक्ष इन्दिरा देवी, किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरेन्द्र ठाकुर, एससी/एसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष परशुराम पासवान, प्रदेश महासचिव मिथलेश निषाद, रविरंजन प्रसाद सिंह इत्यादि मौजूद थे।

निर्मित सीटी गैलरी का उदघाटन विधायक ने किया

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर)। प्रखंड कार्यालय परिसर में विधायक कॉमरेड अजय कुमार के द्वारा के द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम के तहत आवेदक के द्वारा अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से रखा गया। जिसमें आंचल से संबंधित स्वास्थ्य विभाग हॉस्पिटल पारिवारिक लाभ राशन कार्ड से जुड़ी समस्या एवं अन्य विभाग ऑनलाइन से संबंधित आवेदन दिया गया, जिस पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी को अग्रसारित किया गया साथ ही भीम अखाड़ा कल्याणपुर दैता पोखर परिसर में आम लोगों के लिए बैठने के लिए विधायक कोष से निर्मित सिटी गैलरी का उदघाटन विधायक कॉ अजय कुमार के द्वारा हजारों दर्शकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर की जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार, लोकल मंत्री श्याम किशोर कमल, संजय कुमार, राम पुनीत वर्मा, बासुदेव पोद्दार, बबलू कुमार, केशव कुमार, जय नारायण शर्मा, शीलबंत पहलवान, मनोरंजन मिश्र, रामनाथ राय, पंसस मंटून राय, अवधेश कुमार, विजय कुमार आदि मौजूद थे।

रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की 7 खिलाड़ियों सहीत सिवान जिला के विभिन्न क्लबों के 12 खिलाड़ी बिहार के 22 सदस्यीय फूटबाल टीम में चयनीत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा ।ऑल इंडिया फूटबाल फेडरेशन द्वारा पश्चिम बंगाल में 16 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2024 तक आयोजीत राष्ट्रीय सिनियर महिला फूटबाल चैम्पियनशिप हेतू घोषित बिहार की टीम में रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की सात खिलाड़ियों सहीत सिवान जिला के बारह खिलाड़ियों का चयन किया गया है ।रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी के मुख्य कोच एवं निदेशक संजय पाठक ने बताया की समस्तीपुर के दलसीह सराय में बिहार राज्य फूटबाल संघ द्वारा 6 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 तक आयोजीत प्रशिक्षण सह चयन शिविर में बिहार से कुल 40 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसमें से बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 22 खिलाड़ियों का चयन किया गया है ।पाठक ने बताया की रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी से जहाँ खुशबु कुमारी,निभा कुमारी, श्रुति कुमारी, ममता कुमारी, प्रियंका कुमारी, खुशी कुमारी एवं बेबी कुमारी का चयन किया गया है वहीं खुदाई बारी से प्रीती एवं पुजा तथा मैरवा से आरती कुमारी, मनीषा कुमारी एवं साबारा का चयन किया गया है ।बताते चलें कि बेबी और ममता खेलो इंडिया स्माल सेंटर मैरवा और पश्चिमी चंपारण में फूटबाल कोच हैं वहीं प्रियंका कुमारी परिवर्तन नरेंद्रपुर में फूटबाल कोच है ये सभी रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी के लिए खेलते हैं ।इन चयनीत खिलाड़ियों को सिवान जिला फूटबाल संघ के सचिव उमाशंकर प्रसाद, अध्यक्ष सुधाकर तिवारी, मखदूम खान, मो शाहिद, मो फरीद, धर्मनाथ यादव, आई एम ए सिवान के अध्यक्ष शशिभूषण सिन्हा, सचिव डॉ शरद चौधरी, डॉ रीता सिन्हा, डॉ संगीता चौधरी, डॉ रामएकबाल गुप्ता, डॉ रामाजी चौधरी आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा सहित कई अन्य लोगों ने बधाई एवम शुभकामनायें दी है ।

मनाया गया मिसाईल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम आजाद का 93 वां जयंती

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। मंगलवार को मोरवा विधानसभा अंतर्गत लसकारा वार्ड संख्या 01 में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले प्रखंड अध्यक्ष अनिल सिंह कुशवाहा के अध्यक्षता मे देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम जी का 93 वां जयंती धूमधाम से मनाई गयी। जयंती समारोह में सबसे पहले उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुरू किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह ने कहा कि डॉ कलाम युवाओं को नई दिशा देने का काम किया। वे भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। वे भारत के पूर्व राष्ट्रपति, जानेमाने वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात थे। वे मिसाईल मैन के रूप मे भी जाने जाते थे। उन्होंने सिखाया जीवन में चाहे जैसी भी परिस्थिति क्यों न हो पर जब आप अपने सपनों को पूरा करने की ठान लेते हैं तो उन्हें पूरा करके ही रहते है। अब्दुल कलाम मसऊदी के विचार के आज भी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने को प्रेरित करते है। मौके पर जिला अध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद, पूर्व जिलापार्षद बिभा देवी, रामानंद सिंह, डॉ दिलीप कुमार चौधरी,मो बसीर, राजेंद्र दास, अनिल सिंह कुशवाहा, सीताराम चौधरी, रविंद्र दास, रामनाथ महतो आदित्य कुमार, जयदेव राय, रामदेव कुमार, अजय कुमार, भरत पासवान, दीपू निषाद, दिलीप साह, कृष्णदेव साह, राजनारायण सहनी अचल सहनी, सनोज सहनी, डॉ बलराम कुशवाहा, सुबोध चौधरी आदि मौजूद थे।

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। मुख्य सचिव बिहार अमृतलाल मीणा की अध्यक्षता में द्वितीय मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई, जिसमें जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा अपर समाहर्ता समस्तीपुर अजय कुमार तिवारी, उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी, नगर आयुक्त के डी प्रज्जवल के साथ अन्य महत्वपूर्ण विभागों के पदाधिकारी यथा जिला योजना पदाधिकारी समस्तीपुर, कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन एक एवं दो, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल समस्तीपुर, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल समस्तीपुर /दलसिंहसराय /रोसड़ा एवं पटोरी, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल समस्तीपुर एवं रोसड़ा इत्यादि ने भाग लिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागों के संबंधित पदाधिकारीगण को मुख्य सचिव द्वारा दिए गये निर्देश का अनुपालन करते हुए अनुपालन प्रतिवेदन यथाशीघ्र समर्पित करने के निमित्त निर्देशित किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सौजन्य से जिला के महादलित टोलों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से

नशा मुक्ति के प्रति लोगों को किया जा रहा है जागरूक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ मढ़ौरा अनुमंडल के 15 महादलित टोलों में कला जत्था की टीम गीत संगीत एवं नाटक के माध्यम से मनोरंजक तरीके से लोगों को दे रही है नशा मुक्ति का संदेश.अनुमंडल पदाधिकारी मढ़ौरा ने कला जत्था को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सारण, छपरा 15 अक्टूबर, 2024 जिलाधिकारी के निदेशानुसार मढ़ौरा अनुमंडल के चिन्हित महादलित टोलों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से सम्बद्ध कला जत्था के कलाकारों द्वारा गीत संगीत एवं नाटक के माध्यम से मनोरंजक तरीके से लोगों को शराब/अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली हानि के बारे में जागरूक करते हुये नशा मुक्त रहने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन मढ़ौरा अनुमंडल के विभिन्न प्रखण्डों में स्थित कुल 15 महादलित टोलों में कराया जा रहा है।

अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के भी सहयोग लिया जा रहा है।स्थानीय विकास मित्र द्वारा इन कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया जा रहा है। आज अनुमंडल पदाधिकारी मढ़ौरा ने कला जत्था की टीम की प्रस्तुति का स्वयं अवलोकन किया तथा इसे महादलित टोलों के लिये रवाना किया।

बदलो बिहार न्याय यात्रा की सफलता को लेकर चलाया जनसंपर्क अभियान

पर्चा बांटकर लोगों से तन-मन-धन से न्याय यात्रा को सफल बनाने की अपील

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर/समस्तीपुर : 15 अक्टूबर 202416 अक्टूबर से बेनीपट्टी-मधुबनी से शुरू होने वाली पदयात्रा की सफलता को लेकर मंगलवार को भाकपा माले के कार्यकर्ताओं ने नगर एवं प्रखंड क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर न्याय यात्रा को तन-मन-धन से सफल बनाने की लोगों से अपील की। इस दौरान पार्टी द्वारा जारी पर्चा का भी वितरण किया गया?।

इस दौरान अभियान का नेतृत्व कर रहे भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह, मो० क्यूम, मो० एजाज, बिरजू कुमार आदि ने कहा कि हमारी यात्रा न्यायपूर्ण नए बिहार के निर्माण के लिए है।हम न्याय की उम्मीद लेकर यात्रा में निकल रहे हैं। हम अपनी यात्रा में अति निर्धन परिवारों को मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 2-2 लाख रुपए देने, दलितइमगरीबोंइमहिलाओं पर जारी सामंती हिंसा, भूमिहीनों के लिए आवासीय जमीन व पक्का मकान, स्मार्ट मीटर पर रोक, सभी लोगों की जमीन के कागजात दुरुस्त नहीं होने तक सर्वे पर रोक, स्कीम वर्कर के लिए न्यूनतम मजदूरी, बाढ़ का स्थाई निदान, आरक्षण वृद्धि को 9 वीं अनुसूची में शामिल करने, विशेष राज्य का दर्जा आदि मुद्दों को उठा रहे हैं।

माले नेता सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने आगे कहा कि मिथिला जोन का पदयात्रा 16 अक्टूबर से बेनीपट्टी-मधुबनी से पोलित ब्यूरो के सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी का. धीरेन्द्र झा आदि के नेतृत्व में शुरू होगी जो मिथिला क्षेत्र के दरभंगा से गुजरते हुए समस्तीपुर के विभूतिपुर में संपन्न होगी?। पदयात्रा 21 अक्टूबर को सुबह रामभद्रपुर स्टेशन के पास दरभंगा से समस्तीपुर में प्रवेश करेगी जहां ताजपुर समेत जिले के बड़ी संख्या में माले कार्यकर्ता पदयात्रा में शामिल होंगे?। अंत में 27 अक्टूबर को पटना में बदलो बिहार न्याय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

चार दिवसीय बाबा थानेश्वर नृत्य महोत्सव को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : गजराज पैलेस के परिसर में चार दिवसीय बाबा थानेश्वर नृत्य महोत्सव को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें युवा कला आश्रम के संरक्षक महेंद्र प्रधान पशु प्रेमी, व लक्ष्मण कुमार ने बताया कि चार दिवसीय कार्यक्रम दिनांक 17 अक्टूबर 2024 से 20 अक्टूबर 20 24 तक आयोजित होगी, जिसमें प्रथम दिन 17 अक्टूबर 2024 को गजराज पैलेस बाजार समिति से थानेश्वर मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा सुबह 8:30 बजे निकलेगी, 18 अक्टूबर 20 24 को भव्य पूजा अर्चना एवं भजन संध्या लोक गायिका वैष्णवी एकता द्वारा थानेश्वर मंदिर परिसर में शाम 4:30 बजे से आयोजित होगी, 19 अक्टूबर 2024 नृत्य की यात्रा गजराज पैलेस में सुबह 11:30 बजे से आयोजित होगी, और चौथे दिन 20 अक्टूबर 20 24 को भव्य नृत्य महोत्सव लोक गायिका कल्पना पटवारी द्वारा पटेल मैदान समस्तीपुर में आयोजित होगी, उक्त सभी कार्यक्रम में आयोजक ने सभी लोगों को शामिल होने का निमंत्रण दिया है, वहीं आयोजक ने बताया कि सभी कार्यक्रम बिल्कुल ही निशुल्क है आप अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनावे, प्रेस वार्ता में पूर्व उप प्रमुख शिव शंकर महतो, शिक्षाविद शंकर प्रसाद शाह, जेपी सेंटर के निदेशक महेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सतनारायण महतो, आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे

गरखा थानान्तर्गत 10 मिनट के अंदर लूट कांड का किया गया सफल उद्भदन। लूट कांड में संलिप्त 02 अभियुक्तों को 02 देशी कट्टा एवं 01 मोटरसाईकिल के साथ किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक-14.10.24 को समय करीब 22:30 बजे गरखा थाना को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम- मैकी स्थित पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मी को हथियार का बल दिखाकर दो अज्ञात अपराधियों द्वारा लूट की घटना को कारित किया गया। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस उपाधीक्षक (परि०)-सह-थानाध्यक्ष, गरखा थाना के नेतृत्व में मात्र 10 मिनट के अंदर शान्ति लाइन होटल से करीब 200 मीटर पहले अवैध हथियार, कारतूस तथा लूटे गये सामान के साथ 02 व्यक्ति 1. गोलू सिंह पिता- स्व० चंद्रशेखर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह सा०- बसंतपुर सत्जोड़ा, थाना पानापुर, जिला- सारण एवं 2. अभिषेक सिंह पिता मुन्ना सिंह, सा०- नेवाजी टोला, थाना- मुफ्फसिल जिला सारण को गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में गरखा थाना कांड सं0-651/24, दिनांक-15.10.24, धारा-317(4)/317(5) बी०एन०एस० एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज कर गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

>गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-1. गोलू सिंह, पिता- स्व० चंद्रशेखर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सा०- बसंतपुर सत्जोड़ा, थाना- पानापुर, जिला- सारण।2. अभिषेक सिंह, पिता मुन्ना सिंह, सा०- नेवाजी टोला, थाना मुफ्फसिल, जिला- सारण ।गिरफ्तार अभियुक्त गोलू सिंह का अबतक का ज्ञात अपराधिक इतिहास :-

पानापुर थाना कांड सं0- 234/24, दिनांक-23.08.24, धारा-413/414/34 भा०द०वि० एवं 25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट

गिरफ्तार अभियुक्त गोलू सिंह का अबतक का ज्ञात अपराधिक इतिहास :-1. मुफ्फसिल थाना कांड सं0-273/18, दिनांक-10.07.18, धारा-395 भा०द०वि०

2. मुफ्फसिल थाना कांड सं0-444/18, दिनांक-10.10.18, धारा-399/402 भा०द०वि० एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट 3. मुफ्फसिल थाना कांड सं0-142/20, दिनांक-29.03.20, धारा-399/402 भा०द०वि० एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट 4. मुफ्फसिल थाना कांड सं0-29/21, दिनांक-21.01.21, धारा-341/307/324/379/326/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट 5. नगर थाना कांड सं0-696/18, दिनांक-27.11.18, धारा 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट 6. भगवानबाजार थाना कांड सं0-420/19, दिनांक-03.09.19, धारा-188 भा०द०वि० एवं 41(1)(ए)/41(ए) बंदी अधि० तथा 67 आई० टी० एक्ट 7. भगवानबाजार थाना कांड सं0-270/20, दिनांक-29.03.20, धारा-224 भा०द०वि० 8. मुफ्फसिल थाना कांड सं0-344/15, दिनांक-24.12.15, धारा-395/412 भा०द०वि०

डॉ. दिलीप जायसवाल का बयान: झारखंड चुनाव में एनडीए की बनेगी सरकार, सीट बंटवारे पर कोई विवाद नहीं

तेजस्वी यादव की यात्रा पर डॉ. दिलीप जायसवाल का हमला: जनता पूछेगी, विधानसभा सत्र और बाढ़ के वक्त विदेश क्यों गए?

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- राहुल गांधी पर निशाना: देश के खिलाफ बोलने का खामियाजा इंडी गठबंधन को भुगतना पड़ेगा झ डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार उपचुनाव में एनडीए की तैयारी पूरी,विपक्ष की हार सुनिश्चित झ डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए के बीच बिहार में सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं: डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना: भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आगामी झारखंड,और बिहार उपचुनावों पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन पूरी मजबूती के साथ झारखंड चुनाव लड़ेगा और सहयोगी दलों के साथ किसी भी तरह का विवाद नहीं है। डॉ. जायसवाल ने जोर देकर कहा कि जहां-जहां चुनाव होंगे, वहां इंडी गठबंधन को कड़ी हार का सामना करना पड़ेगा।

डॉ. जायसवाल ने तेजस्वी यादव की कल से शुरू हो रही यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता अब यह बात समझ चुकी है कि विपक्ष और उनके नेता राहुल गांधी देश का नमक खाकर विदेश में जाकर देश के खिलाफ बोलते हैं।इसका खामियाजा इंडी गठबंधन को आने वाले सभी चुनावों में भुगतना पड़ेगा।

झारखंड चुनाव को लेकर डॉ. जायसवाल ने कहा, "एनडीए के बीच बिहार में सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं है। बिहार उपचुनाव की तैयारी भी अच्छी तरह चल रही है। इमामगंज की सीट पहले से हमारे पास है और अब बेला, तरारी, और रामगढ़ की सीटों को भी विपक्ष से छीनने के लिए हम पूरी तैयारी कर चुके हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हमारा प्रदर्शन इस बार भी शानदार रहेगा।तेजस्वी यादव की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, "तेजस्वी यादव किस मुंह से यात्रा करेंगे? जनता उनसे सवाल करेगी कि जब विधानसभा सत्र चलता है तो वह विदेश चले जाते हैं, जब राज्य में बाढ़ आती है तो भी वह विदेश में होते हैं। अब जब चुनाव का समय है, तब जनता के बीच आकर दिखा रहे हैं।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि एनडीए की ओर से आगामी सभी चुनावों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है और जनता का समर्थन बीजेपी व एनडीए के साथ है।

चार दिवसीय बाबा थानेश्वर नृत्य महोत्सव कल से शुरू

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। मंगलवार को मधुरापुर स्थित गजराज पैलेस में चार दिवसीय बाबा थानेश्वर नृत्य महोत्सव को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।जिसमें युवा कला आश्रम के संरक्षक महेंद्र प्रधान पशु प्रेमी, व लक्ष्मण कुमार ने बताया कि चार दिवसीय कार्यक्रम दिनांक 17 अक्टूबर 2024 से 20 अक्टूबर 2024 तक आयोजित होगी।जिसमें प्रथम दिन 17 अक्टूबर 2024 को गजराज पैलेस बाजार समिति से थानेश्वर मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा सुबह 8:30 बजे निकलेगी, 18 अक्टूबर 2024 को भव्य पूजा अर्चना एवं भजन संध्या लोक गायिका वैष्णवी एकता द्वारा थानेश्वर मंदिर परिसर में शाम 4:30 बजे से आयोजित होगी, 19 अक्टूबर 2024 नृत्य की यात्रा गजराज पैलेस में सुबह 11:30 बजे से आयोजित होगी और चौथे दिन 20 अक्टूबर 2024 को भव्य नृत्य महोत्सव लोक गायिका कल्पना पटवारी द्वारा पटेल मैदान समस्तीपुर में आयोजित होगी, उक्त सभी कार्यक्रम में आयोजक ने सभी लोगों को शामिल होने का निमंत्रण दिया है, वहीं आयोजक ने बताया कि सभी कार्यक्रम बिल्कुल ही निःशुल्क है आप सभी से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनावें, प्रेस वार्ता के अवसर पर पूर्व उप प्रमुख शिव शंकर महतो, शिशीवंद शंकर प्रसाद साह, जेपी सेंटर के निर्देशक महेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सत्यनारायण महतो आदि उपस्थित थे।

समस्तीपुर में बेबी कोर्न की खेती से बढ़ रही है किसानो की आमदनी, अधिकारियों ने भी किया निरीक्षण

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/उजियारपुरः- भगवानपुर देसुआ में किसान मनोहर कुमार की ओर से की जा रही बेबी कॉर्न की खेती का मुआयना दलसिंहसराय अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सिद्धार्थ कुमार तथा उनकी टीम ने किया।उन्होंने कहा कि बेबी कॉर्न की खेती से न केवल किसानों की आय कई गुणा बढ़ रही है, बल्कि बहुत बड़ा प्रोटिन का स्त्रोत के रूप में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। समथु फारमर्स प्रोडयुसर कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) के मार्गदर्शन में किसान सामुहिक खेती व तकनीकी सहायता का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती की तुलना में बेबी कोर्न की खेती साल में छह बार लिया जा रहा है इस अवसर पर समथु फारमर्स प्रोडयुसर कम्पनी के सीईओ अमरदीप कुमार ने कहा कि सजग किसान के कारण तथा कृषि पदाधिकारी के सहयोग के कारण ही यह सम्भव हो पा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से जिला कृषि पदाधिकारी दिनकर प्रसाद तथा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सिद्धार्थ कुमार का आभार व्यक्त किया। जिन्होंने न केवल बेबी कोर्न का बीज उपलब्ध करवाया बल्कि तकनिकी सहायता भी प्रदान किया।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय निधि चौक मधुबनी के सभागार में एक कार्यकारी बैठक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबू बकर सिद्दीकी

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय निधि चौक मधुबनी के सभागार में सक्रिय सदस्यता अभियान को गती देने हेतु जिलाध्यक्ष शंकर झा के अध्यक्षता मे तथा जिलाम महामंत्री देवेंद्र यादव के संचालन मे एक कार्यकारी बैठक रखा गया बैठक में मुख्य वक्ता तथा प्रशिक्षक के रूप मे बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह की उपस्थिति ऊर्जा भरने का काम किया बैठक मे पूर्व मंत्री बिहार सरकार बेनीपट्टी के विधायक विनोद नारायण झा खजोली के विधायक अरुणशंकर प्रसाद विधान परिषद सदस्य उत्तर बिहार के प्रांतीय सह संयोजक घनश्याम ठाकुर मधुबनी के मेयर अरुण राय बिहार प्रदेश से राजीव रंजन जिला प्रभारी रामकुमार राय किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नुनु ठाकुर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सुजीत पासवान जिला सदस्यता प्रभारी रणधीर खन्ना जिला महामंत्री प्रमोद सिंह उपाध्यक्ष राधा देवी के साथ सभी ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष के तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर कार्यक्रम का शुरुवात किया ततपश्चात आगंतुक अतिथियों का पाग दुपट्टा से सम्मान किया गया वक्ताओं ने मुख्य रूप से अधिक से अधिक सदस्य कैसे बने इस पर जोड़ दिया मुख्य वक्त ने बताया की सदस्यता के समय को बढ़ाया गया है इसलिए अधिक से अधिक सदस्य बनाया जाय

बैठक मे संजय पांडे महेंद्र पासवन प्रभाशु झा मनोज मुन्ना राजीव झा सुनील मित्र हरीशचंद्र शर्मा प्रसांत ठाकुर अशोक कुशवाहा पूनम मल्लिक मिन देवी सरोज सिंह उद्धव कुंवर कुंदन सिंह सुमन झा हरिमोहन विजय मार्शल सुबोध चौधरी संजय गुप्ता गोरी शंकर महतो अनिल सिंह मुकेश कुशवाहा आदि शामिल हुए

विनोद सिंह की बहू अंकित का 26 वां जन्म दिन उनके ससुराल में केक काटकर मनाया गया

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा शहर के दहियावां मोहल्ला में श्री विनोद सिंह की बहू अंकित का 26 वां जन्म दिन उनके ससुराल में केक काटकर मनाया गया इस अवसर पर अंकिता के सास ससुर भी देहरादून से आए हुए थे ससुर संजय कुमार सिंह और उनकी पत्नी सुमन सिंह ने अपने पुत्र सागर प्रताप सिंह और बहू अंकिता सिंह को आशीर्वाद दिया इस अवसर पर अंकिता की नानी गिरिजा देवी की आँखों मे एक प्रेम बड़ी मुस्कान से अंकिता को गले लगा कर आशीर्वाद दिया इस अवसर पर अंकित के प्यारे दुलारे देवरा सूर्य प्रताप सिंह एवं उनके अंकल शकील जी भी मौजूद थे

मधुबनी जिला के कलमा नहर में संदेहास्पद स्थिति में शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी हरलाखी थाना क्षेत्र के बिसौल गांव के समीप कमला नहर से शव बरामद होने के बाद आसपास के इलाके में सनसनी फैल गया दरअसल सुबह जब स्थानीय लोग नहर के रस्ते से गुजर रहे थे तो संदिहास्पद स्थिति में शव देखा गया जिसके बाद शव को देखने सैकड़ो लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी घटना की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को मिली थानाध्यक्ष दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे मामले की जांच शुरू कर दी फिर शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया हालांकि शव का शिनाख्त नहीं हो सका है इस संबंध में हरलाखी थानाध्यक्ष जितेंद्र सहनी ने कहा कि मृत अज्ञात व्यक्ति की उम्र करीब 40 वर्ष आका की गई हैं शव को देखने से लगता है कि करीब तीन चार दिन पहले मृत्यु हुई है पोस्टमार्टम के बाद मौत का कारण पता चल सकेगा पुलिस हर बिंदु पर जाँच कर रही है

कांग्रेस कमिटी के जिला महासचिव जाहिर खान एवं सचिव मुन्नी लाल राम का निधन से कांग्रेस जनों में शोक की लहर

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। नगर कांग्रेस कमिटी के महासचिव जहीर खान तथा सचिव मुन्नी लाल राम के असामयिक निधन से कांग्रेसजनों को आघात पहुंचा है। क्षेत्र के कांग्रेसजन उनके आवास पर एकत्रित हुए।इस बीच नगर कांग्रेस कमिटी का प्रतिनिधि मंडल नगर अध्यक्ष डोमन राय के नेतृत्व में दोनों नेताओं के आवास पर जाकर पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किया तथा उनके परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। प्रतिनिधि मंडल में सुरेश राय, सुरेंद्र राय, जगदेव पासवान, सुशील राय, बलराम यादव आदि लोगों ने दोनों के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सोनपुर मेला के आयोजन को लेकर माननीय सांसद, सारण की उपस्थिति में बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य सदस्यों से लिया गया फीडबैक एवं महत्वपूर्ण सुझाव
- 13 नवंबर से 14 दिसंबर तक होगा इस मेले का आयोजन
- मेला क्षेत्र के समग्र विकास हेतु हो रही है पहल, शीघ्र ही विस्तृत कार्ययोजना का होगा क्रियान्वयन:- सांसद

सारण,छपरा 15 अक्टूबर, 2024 विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेला के आयोजन को लेकर आज सोनपुर नगर पंचायत सभागार में सारण सांसद श्री राजीव प्रताप रूड़ी की उपस्थिति में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, मेला कमिटी के सदस्यगण, जिला एवं अनुमंडल स्तर के अधिकारियों की मौजूदगी में बैठक की गई। बताया गया कि इस वर्ष सोनपुर मेला 13 नवंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर 2024 तक चलेगा। बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण फीडबैक एवं सुझाव प्राप्त किया गया। सड़कों एवं स्ट्रीट लाइटों की मेला से पूर्व मरम्मती कराने, सोनपुर में स्थाई सीसीटीवी, महिलाओं के लिये शौचालय, स्मारिका प्रकाशन आदि जैसे सुझाव दिये गए। बताया गया कि सोनपुर मेला क्षेत्र के समग्र विकास हेतु केंद्र सरकार द्वारा 25 करोड़ रुपये स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत स्वीकृति दी गई है। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र के समग्र विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस कार्ययोजना के ब्लूप्रिंट का प्रेजेंटेशन भी पॉवरपॉइंट के माध्यम से चयनित एजेंसी द्वारा किया गया। अंतिम रूप से स्वीकृत कार्ययोजना के अनुरूप मेला क्षेत्र को स्थाई रूप से विकसित करने हेतु कार्रवाई की जायेगी। सांसद ने कहा कि विगत वर्षों के मेले सहित प्रत्येक वर्ष के मेले का विधिवत डॉक्यूमेंटेशन किया जाय। इसमें स्थानीय लोगों को भी आवश्यक सहयोग देने को कहा गया। उपविकास आयुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर ने मेला के आयोजन की तैयारी के बारे में जानकारी दी। सोनपुर मेले में बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन आदि के लिये निविदा के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही मेला परिसर में साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था और टेंट/पंडाल के लिए भी अलग-अलग टेंडर के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। मेले में आने वाले मेहमानों और पशुओं के लिए पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। चौबीसों घंटे एम्बुलेंस सुविधा के साथ-साथ पशु चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। सोनपुर मेला स्थल पर आपदा प्रबंधन टीम और भगदड़ नियंत्रण दल भी मौजूद रहेंगे।

बॉर्डर एरिया क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जाए

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:उप विकास आयुक्त मनन राम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नाकों समन्वय समिति की बैठक विमर्श सभाकक्ष में की गई। बैठक में एडीएम राजस्व संदीप कुमार के साथ पुलिस विभाग के सभी वरीय पदाधिकारी, एस एस बी,कस्टम, उत्पाद एवं मद्य निषेध,हेल्थ,शिक्षा, औषधि नियंत्रक से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में जिले में नशीली दवाओं एवं नशीली पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के उद्देश्य से रणनीतियों पर चर्चा की गई।साथ ही उप विकास आयुक्त ने कहा कि बैठक का प्राथमिक उद्देश्य अंतर्विभागीय समन्वय को मजबूत करना है।निर्देश दिया कि नशीली दवाओं/ड्रग्स के खतरे को रोकने के लिए प्रभावी उपायों को लागू करें। बैठक में डीडीसी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंचायत राज जनप्रतिनिधियों, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों तथा विभिन्न विभागों यथा:झ शिक्षा ,स्वास्थ्य,कृषि, मद्य निषेध,वन विभाग इत्यादि के माध्यम से परस्पर समन्वय स्थापित करते हुए उक्त गतिविधियों पर अंकुश लगाना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि ऐसे पॉकेट को चिन्हित करें इस संबंध में सहायक औषधि निरीक्षक को सख्त निर्देशित किया गया कि जिले के सभी दवा दुकानों, विशेष कर बॉर्डर एरिया पर चल रहे दवा दुकानों पर विशेष नजर रखें। साथ ही औचक निरीक्षण करें। उनके स्टॉक का वेरिफिकेशन किया जाए।दवाओं की जांच की जाए। सहायक औषधि निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि दवा दुकानों की जांच संबंधी रिपोर्ट :झऐसे कितने अवैध दुकानों को सील किया गया? कितने पर केस किए गए?कितने का लाइसेंस रद्द किया गया?इत्यादि से संबंधित प्रतिवेदन नियमित रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अंतर्विभागीय समन्वय बनाते हुए लगातार रेड करें।बॉर्डर से जुड़े हुए प्रखंडों पर विशेष फोकस करें। सिनेमा हॉल के आसपास का क्षेत्र, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अन्य महत्वपूर्ण भीड़झभाड़ वाले जगहों पर फोकस करते हुए लगातार अभियान चलाएं।

समस्तीपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: कुख्यात अपराधी को बंदूक कारतूस के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

विभूतिपुर थाना कांड सं0-348/24, दिनांक-14.10.24, धारा-310(4)/310(5)/3(5) इतर एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट में 03 देशी कट्टा, 05 करतूश, 03 मोटरसाईकिल व 03 मोबाईल के साथ 04 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार।पुलिस अधीक्षक महोदय समस्तीपुर के दिशा-निर्देश में विभिन्न थाना क्षेत्रो में अपराधकर्मियों के गिरफ्तारी एवं अपराध की रोकथाम हेतु सफान छापामारी एवं तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक-14.10.2024 को समय करीब 17:00 बजे थानाध्यक्ष, विभूतिपुर थाना को ग्राम मिश्रौलिया स्थित तालाब के पास कुछ अपराधकर्मियो के द्वारा बड़ी घटना का अंजाम देने की योजना बनाने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई।उक्त सूचना के संबंध में थानाध्यक्ष, विभूतिपुर थाना के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दलबल के साथ ग्राम मिश्रौलिया स्थित तालाब के पास पहुँचे तो पुलिस बल को देखकर वहाँ उपस्थित सभी अपराधकर्मी भागने लगे। जिसमें से चार अपराधकर्मी कमशः 01. साजन कुमार उम्र 22 वर्ष पिता राजेश दास ग्राम सुरौली वार्ड नं0-06 02. नंदन कुमार उम्र 19 वर्ष पिता दिनेश प्रसाद महतो ग्राम गंगौली वार्ड नं0-01 03. मकसूदन कुमार तम्र 24 वर्ष पिता स्व० चीनीलाल यादव ग्राम गंगौली वार्ड नं0-04 04. चंदन कुमार उम्र 18 वर्ष पिता गीता पासवान ग्राम साखमोहन वार्ड नं०-08 चारो थाना विभूतिपुर जिला समस्तीपुर को तीन मोटरसाईकिल सहित पकड़कर विधिवत निरूद्ध कर तलाशी लिया गया। तलाशी के कम में कमशः 01 साजन कुमार के पास से एक लोडेड देशी कट्टा, दो जिंदा गोली व एक मोबाईल, 02 मकसूदन कुमार के पास से एक लोडेड देशी कट्टा, दो जिंदा गोली व एक मोबाईल, 03. नंदन कुमार के पास से एक लोडेड देशी कट्टा व एक जिंदा गोली तथा 04 चंदन कुमार के पास से एक मोबाईल बरामद किया गया। अग्रेतर पुछताछ के कम में इनलोगो के द्वारा बताया गया कि वेलोग अपने अन्य सहयोगियो के साथ मिलकर दिनांक-10.10.24 को करीब 08:45 बजे सध्या में विभूतिपुर थाना अंतर्गत ग्राम टमका के पास एक बाईक सवार युवक व युवती के साथ मारपीट कर, लूटपाट की घटना को अंजाम दिये थे तथा हथियार का भय दिखाकर उसका मोटरसाईकिल, मोबाईल, पर्स व अन्य समानो को लूट लिये थे तथा अगले दिन दिनांक 11.10.24 को समय करीब 19:05 बजे बेगूसराय जिला मंसूरबक थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बाईक सवार युवक व युवती के साथ भी मारपीट व लूटपाट की घटना को अंजाम दिये थे तथा हथियार का भय दिखाकर उसके पास से भी मोटरसाईकिल, मोबाईल, मंगलसूत्र व नगद रूपया आदि को लूट लिये थे।

टीका-टोपी को टकराने सीमांचल आ रहे गिरिराज

AIMIM प्रदेश अध्यक्ष बोले- मुस्लिम आंखों में खटकते हैं; पूर्व मंत्री ने बताया देश का दुश्मन

किशनगंज। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह 18 अक्टूबर से हिंदू स्वाभिमान यात्रा करने वाले हैं। उनकी यात्रा से पहले बिहार की सियासत गरमाई हुई है। पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने गिरिराज सिंह की यात्रा पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये लोग देश के दुश्मन हैं, जो समाज को बांटना और तोड़ने का काम करना चाहते हैं। वहीं यात्रा के दौरान 22 अक्टूबर को गिरिराज सिंह किशनगंज पहुंचेंगे। यहां उनकी यात्रा का पहला फेज खत्म होगा। गिरिराज सिंह की यात्रा को लेकर AIMIM प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि ये टीका-टोपी को टकराने आ रहे हैं। भाजपा का जनाधार गिर रहा है और इसीलिए फिर से सिर्फ नफरत की सौदागरी करने आ रहे हैं। अख्तरुल ईमान ने कहा कि वो केंद्रीय कपड़ा मंत्री है। उन्होंने बताना चाहिए कि आज तक सीमांचल के लिए उन्होंने क्या किया है।अख्तरुल ईमान ने कहा कि सीमांचल में टीका और टोपी को टकराने की बात केंद्रीय मंत्री करेंगे। यहां कि मस्जिद, मुसलमानों की आबादी उनको खटकेगी और यहां के हिंदू और मुसलमानों में जो प्रेम है, वो उन्हें खटकेगा। क्योंकि ये नफरत के सौदागर है। जबकि, यह अमन पसंद इलाका है। एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने गिरिराज सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि वो केंद्रीय कपड़ा मंत्री हैं। आज तक सीमांचल के लिए उन्होंने क्या किया है, बताना चाहिए। वो फिर से सिर्फ नफरत की सौदागरी करने आ रहे हैं और

सीमांचल में टीका और टोपी को टकराने की बात करेंगे। यहां की मस्जिद, मुसलमानों की आबादी उनको खटकेगी और यहां के हिंदू और मुसलमानों में जो प्रेम है वो उन्हें खटकेगा। किशनगंज को अमन पसंद है

गिरिराज सिंह को नफरत का सौदागर बताते हुए उन्होंने कहा कि यह अमन पसंद इलाका है। किशनगंज के हिंदू और मुसलमानो ने कभी यहां के सौहार्द का सौदा नहीं होने दिया। यहां हिंदू मुसलमानों के बीच जितना सौहार्द है, वो पूरे देश को नसीब नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले जब उनका दौरा किशनगंज में हुआ था, तब उन्हें यहां की गरीबी, यहां का भाई चारा नजर नहीं आया, बल्कि यहां के मस्जिद और दाढ़ी टोपी में उन्हें पाकिस्तान नजर आता है।पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की यात्रा पर कहा कि ये लोग बस समाज को बांटना और तोड़ने का काम करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी जीभ को कीमत लगाने वालों पर भी निशाना साधा। चंद्रशेखर ने कहा कि पाखंडवादी लोग भगवान की दुकान सजाकर उल्लू सीधा करते हैं। यह लोग भगवान के संदेश का अपमान करते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ मेरी लड़ाई है। संप्रदाय और नफरतवाद इन लोगों के संस्कार में है। ये देश के दुश्मन हैं। चंद्रशेखर नालंदा में राजद के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे।

उसी दौरान उन्होंने यह बातें कही। 18 अक्टूबर से शुरू होगी गिरिराज सिंह की यात्रा गिरिराज सिंह 18 अक्टूबर से 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' का पहला चरण भागलपुर से शुरू कर रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य हिंदू समुदाय को एकजुट करना बताया जा रहा है,

जिसका विषय है- 'संगठित हिंदू - सुरक्षित हिंदू', इसमें हिंदुओं की एकजुटता पर जोर दिया गया है।

छुट्टी नहीं दी तो सीओ की गाड़ी में लगाई आग

नालंदा। के कतरीसराय उड धीरज प्रकाश की कार में आग लगाने वाले की पहचान हो गई है। सीओ की कार में आग उन्हीं के अंडर में काम करने वाले राजस्व कर्मचारी ने लगाई थी। छुट्टी नहीं मिलने और काम का दबाव ज्यादा होने की वजह से उन्होंने उड के निजी वाहन को आग के हवाले कर दिया। घटना 13 अक्टूबर यानी की शनिवार की रात करीब 1.30 बजे की है। गाड़ी सीओ के सरकारी आवास के बाहर खड़ी थी। स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, तब तक गाड़ी पूरी तरह से जलकर राख हो चुकी थी। वीडियो-फुटेज के आधार पर हुई कार्रवाई

राजगीर के DSP सुनील कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल ने वीडियो-फुटेज, फॉरेंसिक साक्ष्य और डॉग स्क्वायड की मदद से मामले की गहनता से जांच की। जांच के दौरान पता चला कि यह काम किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि एक राजस्व कर्मचारी ने किया था जो वर्तमान में प्रभारी अंचल निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि 'गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है, जो मूल रूप से जहानाबाद के काको थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वर्तमान में वह कतरीसराय अंचल में राजस्व कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। सबक सिखाने के लिए कार में लगाई आग पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने यह कदम काम के दबाव और छुट्टी न मिलने के कारण उठाया है। उसने स्वीकार किया कि सीओ से हुई नोकझोंक के बाद उसने सबक सिखाने के लिए यह कदम उठाया था। फिलहाल, गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। इस मामले में एक बोलेरो गाड़ी और दो मोबाइल भी जब्त किया गया हैं। छापेमारी टीम में थाना अध्यक्ष कतरीसराय सत्यम तिवारी, दरोगा शैलेंद्र कुमार सिंह, प्रशिक्षु दरोगा आदित्य कुमार, जमादार मनीष कुमार, संजय दास और कतरीसराय थाना के सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही।सीओ धीरज प्रकाश ने बताया कि यह एक बेहद गंभीर मामला है। मेरी निजी गाड़ी पिछले चार दिनों से सरकारी आवास के बाहर खड़ी थी। यदि स्थानीय लोगों की तत्परता नहीं होती, तो यह घटना और भी भयावह रूप ले सकती थी। घटना स्थानीय थाना से महज 200 फीट की दूरी पर हुई।

एक-एक पाई जोड़कर घर बनाया, गंगा में समा गया

भागलपुर। में बाढ़ के कारण गंगा नदी के आस पास के कई इलाकों के लोग बेघर हो चुके हैं। सिर्फ सबौर प्रखंड के मसाढू गांव में 300 से अधिक परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। 2 सितंबर से कटाव शुरू हो गया था। पिछले 45 दिनों में 70 से अधिक आशियाना गंगा में समा गए। 6 बीघा जमीन कटाव की वजह खत्म हो गई। इसकी अनुमानित कीमत करीब 7 करोड़ बताई जा रही है। बाढ़ का पानी कम हो गया है। लेकिन, गांव में गंगा का कटाव अभी भी जारी है। इस वजह से हर परिवार की आंखों में आंसू है।बाढ़ पीड़ित पिंकी देवी ने बताया कि 'एक-एक पाई जोड़ कर घर बनाए, जो एक मिनट में गंगा में समा गया। अब न रहने के लिए घर है और न खाने के लिए अनाज। इसके बावजूद सरकार की ओर से

कोई मदद करने नहीं पहुंचा है।'कटाव के कारण सबसे पहले गंगा नदी के किनारे बसे घर प्रभावित हुए। धीरे-धीरे तबाही का मंजर ऐसा बना कि 70 से अधिक परिवारों को 7 करोड़ का नुकसान हो गया। लेकिन, इन पीड़ित परिवारों को मुआवजे के रूप में एक रुपए की मदद नहीं मिली है। 42 परिवारों ने अब तक आवेदन दिया है, लेकिन मुआवजा किसी को नहीं मिली है।बाढ़ की वजह से आज भी कुछ लोग सड़क पर रहने को मजबूर हैं। वहीं, कुछ लोग अपने रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं। बाढ़ पीड़ित सिकंदर मंडल ने 'रविवार को उट नवल किशोर चौधरी निरीक्षण करने पहुंचे थे। लेकिन, मसाढू गांव में नहीं आकर छब्बाचक गांव चले गए। जहां अभी ही कटाव की शुरूआत हुई है।' मसाढू गांव के रहने वाले पीड़ित आर्यन ने बताया कि 'गंगा में घर के समा जाने से रहने की ही दिक्कत नहीं है, बल्कि खाने-पीने में भी परेशानी हो रही है। जिंदगी भर की कमाई चंद सेकेंड में आंखों के सामने बह गया। हर घंटे गिर रहे थे घर बाढ़ का कहर इस तरह था कि हर घंटे घर गंगा में समा रहे थे। जल मीनार, स्कूल और शौचालय से लेकर 2 मंजिला मकान गंगा में पल भर में समा गए। सब कुछ बर्बाद होता देख ग्रामीणों में जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश भी था। आंखों में आंसू भी थे। लेकिन, ग्रामीण किसी को कुछ कह नहीं पा रहे थे। ग्रामीण सिकंदर मंडल ने बताया कि 'जल संसाधन विभाग की तरफ से कटाव रोधी कार्य किया गया, जो नाकाफी था। जल संसाधन विभाग ने इस पर 20 लाख से अधिक रुपए खर्च भी किए। लेकिन, एक इंच जमीन नहीं बच पाई।'

4 बच्चों के साथ मां ने खाया जहर, दो गंभीर

मधेपुरा। में सोमवार को एक महिला ने चार बच्चों के साथ जहर खा लिया। परिजनों ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें दो की हालत गंभीर बनी हुई हैं। मामला मुरलीगंज थाना क्षेत्र के पड़वा नवटोल का है। बताया जा रहा है कि शैलेंद्र राम की पत्नी सीमा देवी पारिवारिक कलह से परेशान होकर पहले अपने चार बच्चे प्रिया कुमारी (7), पल्लवी कुमारी (5), दिव्यांशु कुमार (4) और आयांश कुमार (3) को कीटनाशक खिला दिया। इसके बाद खुद भी जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर आसपास के लोगों ने पांचों को मुरलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद पांचों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सदर अस्पताल से भी जन नायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पति से हुआ था विवाद पति शैलेन्द्र राम ने बताया कि मामूली बात को लेकर सोमवार को पत्नी से विवाद हुआ था। झगड़ा के बाद हम शौच के लिए खेत की ओर चले गए थे। घर पर पत्नी सीमा देवी (30) ने 4 बच्चों के साथ खुद भी कीटनाशक खा लिया। जिसमें से दो बच्चे की स्थिति गंभीर है। सदर अस्पताल के डॉक्टर मनोज कुमार ने बताया कि 'मुरलीगंज सीएचसी से पांचों मरीज आए थे। महिला और चार बच्चों का लगभग एक घंटे तक इलाज किया गया, लेकिन स्टेबल नहीं होने के कारण सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया है। चारों बच्चों को एक एम्बुलेंस और महिला को दूसरे एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। मारपीट कर घर से भगाने का किया प्रयास सीमा देवी ने बताया कि पति शैलेन्द्र राम मेरे साथ अक्सर मारपीट करते थे। बच्चों के साथ भी मारपीट करता था। सभी को घर से भागने के लिए कहता था। इसी से परेशान होकर जहर खा लिया और बच्चों को भी जहर खिला दिया। अवैध-संबंध को लेकर हुआ था विवाद वहीं, महिला की रिश्तेदार समसी देवी ने बताया कि सीमा देवी का गांव के एक युवक (राजकुमार) से अवैध संबंध था। इसी बात को लेकर पति से विवाद हुआ था। जिसके बाद सीमा देवी ने अपने बच्चों संग कीटनाशक खा लिया। आवेदन मिलने पर होगी कार्रवाई मुरलीगंज थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। सभी का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को अभी लिखित में कोई जानकारी नहीं मिली है।

संक्षिप्त डायरी

सड़क हादसे में साले की मौत, जीजा जख्मी

नालंदा। में सोमवार की शाम बिहार शरीफ परवलपुर मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र के गोविंदपुर बेलदारी गांव की समीप की है।मृतक की पहचान परवलपुर थाना क्षेत्र के डिबरी पर गांव निवासी टमाटर राम के (30) वर्षीय पुत्र सत्येंद्र कुमार उर्फ कैला के रूप में की गई है। जबकि जख्मी की पहचान सोहसराय थाना क्षेत्र के सोहसराय निवासी स्वर्गीय राजकुमार प्रसाद के बेटे दीपक कुमार के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में साला-बहनोई लगते हैं। मृतक के परिजन ने बताया उन्हें पुलिस से सूचना प्राप्त हुई कि सत्येंद्र कुमार व दीपक कुमार सड़क हादसे में घायल हो गया है। सूचना मिलने के बाद जब सदर अस्पताल पहुंचा तो देखा कि सत्येंद्र कुमार की मौत हो चुकी है। जबकि दीपक इलाजरत है। दोनों साला बहनोई परवलपुर से डेकोरेशन का काम खत्म कर बिहार शरीफ लौट रहे थे। इसी बीच सड़क हादसे का शिकार हो गए।नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने सत्येंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि दीपक इलाजरत है। प्रथम दृष्टया जांच में यह बात सामने आई है कि गाड़ी ब्रेकर पर अनियंत्रित हो गई। जिसके कारण बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिनमें एक की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

नालंदा। के बिंद थाना क्षेत्र के अमावां गांव में एक मजदूर की हाईटेंशन तार की चपेट में आने से सोमवार की शाम मौत हो गई। मृतक की पहचान शेखपुरा जिला के कोरमा थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव निवासी स्व. पदारथ राम के (28) वर्षीय पुत्र विपिन कुमार

उर्फ विपिन राम के रूप में हुई है। देर शाम परिजन शव को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे।विपिन पिछले 12 साल से अपने ससुराल सारे थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में मजदूरी करते थे। दुर्गा पूजा के दौरान वह अमावां गांव में टेंट लगाने का काम कर रहा था। बीते शनिवार को दुर्गा पूजा का मेला समाप्त होने के बाद विपिन सोमवार शाम को पीपल के पेड़ पर चढ़कर टेंट खोल रहा था, तभी वह हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।स्वजन और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव को रखकर सड़क जाम किया। यातायात बाधित हो गया।पुलिस के आने के बाद मामला शांत हुआ घटना की सूचना मिलते ही बिन्द थानाध्यक्ष रौशन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के स्वजनों को समझा-बुझाकर यातायात सेवा बहाल की। अमावां पंचायत के मुखिया प्रशांत कुमार उर्फ राजा बाबू भी घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। पत्नी दौलती देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक अपने पीछे 3 साल का बेटा और एक वर्ष की पुत्री को छोड़ गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कमरे से छात्र का जला शव मिला

पटना। के पीरबहोर थाना क्षेत्र में एक घर कमरे से छात्र का जला हुआ शव मिला है। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के लिए FSL टीम भी पहुंची है। पुलिस हत्या या आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। मृतक की पहचान मयंक कुमार उर्फ रौनक के तौर पर हुई है। 1 माह पहले बीएड में एडमिशन लिया था। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी कर रहा था। घटना बाकरगंज इलेक्ट्रोनिक गली की है। मेरे भाई ने उसे गोद लिया था मृतक के चाचा ने बताया कि सुबह 8 बजे के करीब पास के एक लड़के ने बताया कि आपके घर से धुआं निकल रहा है। मैं ऊपर के कमरे में गया, जिसमें रौनक रहता था। गेट अंदर से बंद था। दरवाजे के दरार से हल्की धुआं बाहर निकल रही थी। आसपास के लोगों ने गेट तोड़ा।

रोड़ेबाजी में तीन पुलिसकर्मी हुए घायल

भोजपुर। जिले के धोबहां थाना क्षेत्र के सलेमपुर बंगला के समीप में सोमवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान जाति सूचक गाना बजाने को लेकर दो गुटों के बीच रोड़ेबाजी हुई। जिसमें होमगार्ड जवान और तीन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। इसके अलावा पुलिस की प्राइवेट गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में होमगार्ड जवान धारीक्षण दुबे के 55 वर्षीय बेटे सियाराम दुबे, स्व. प्रभाहंस सिंह के 54 वर्षीय बेटे योगेंद्र सिंह और उदय पासवान के 24 वर्षीय बेटे व सिपाही रोहित कुमार शामिल हैं। वह तीनों धोबहा थाना में कार्यरत हैं। इधर होमगार्ड जवान सियाराम दुबे ने बताया कि वे लोग मूर्ति विसर्जन के दौरान ड्यूटी पर थे। तभी जाति सूचक गाना बजा दिया गया। जिसको लेकर दूसरे पक्ष के लोग भड़क उठे और उनके बीच पहले धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद रोड़ेबाजी हुई। जब पुलिस ने उन्हें मना किया तो पुलिस पर भी रोड़ेबाजी कर दी गई। धोबहा थानाध्यक्ष संजीव कुमार अतिरिक्त पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मामले को शांत कराया। वहीं, दूसरी और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह लोगों को हिरासत में भी लिया है। हालांकि इसकी अधिकारी पुष्टि नहीं हो पाई है।

पोती बोली-बाबा, पापा ने मम्मी का गला काट दिया

मोतिहारी। में पति ने अपनी पत्नी की गर्दन काटकर हत्या कर दी। उसके बाद वह लाश के पास ही बैठा रहा। आरोपी पति के पिता ने बताया कि सुबह का समय था। पोती मेरे पास आई और बोली कि पापा ने मम्मी का गला काट दिया है, जल्दी चलिए। मैं दौड़कर गया तो बहू लहूलुहान होकर तड़प रही थी, बगल में मेरा बेटा बैठा था। उसकी आंखों में एक बूंद आंसू नहीं थे।वि घटना 10 अक्टूबर की सुबह 7.30 बजे स्थान लखोरा थाना क्षेत्र का झीटकहिया गांव में हुई थी। महिला का नाम संजू देवी था। उसकी पति संतोष सहनी से 15 साल पहले शादी हुई थी। पुलिस ने फिलहाल पति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का कारण अवैध संबंध बताया गया है। मामले की पड़ताल करने भास्कर रिपोर्टर आरोपी पति संतोष सहनी के घर पहुंचे जहां कई कहानियां निकलकर सामने आई। संतोष के घर में उसके माता-पिता और बच्चे थे। घटना के संबंध में उनसे बातचीत करने की

कोशिश की गई तो मृतक महिला की सास ने कैमरे पर कुछ भी बोलने से इनकार दिया। फिर संतोष के पिता ने ऑफ कैमरा घटना का भयानक मंजर बताया। बेटे का पूरा हाथ खून से सना था संतोष के पिता रमेश सहनी ने बताया कि उनके चार बेटा हैं, जिसमें संतोष सबसे बड़ा था। इसलिए उसे सबसे पीछे वाला घर मिला था। मेरी पत्नी नवरात्र करती है, उसे 10 अक्टूबर की सुबह मंदिर छोड़कर मैं आया और बांध पर खड़ा था। अचानक मेरी बड़ी पोती दौड़कर आई और बोली कि बाबा पापा मम्मी का गला काट दिए हैं, जब मैं दौड़ कर गया तो वह हाथ में दबिया लेकर बैठा था। मेरी बहू संजू तड़प रही थी। हम डर गए कि कहीं इस हत्या का आरोप हम पर न लग जाए। मैंने तुरंत मुखिया जी, बहू के मायके वाले सहित अन्य को फोन कर बताया और बेटे को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बहू की मौत पर सभी रो रहे थे, लेकिन मेरे लड़के की आंख से एक बूंद पानी नहीं आया।पिता ने बताया कि पिछले कुछ दिन से संतोष मानसिक रूप से बीमार था। हमने कई ओझा गुनी से दिखाया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। हमें क्या पता था कि इस तरह की घटना कर देगा, उसे तीन बेटी और तीन बेटा है, जिसकी उम्र एक से 10 साल के बीच है। संतोष बोला- पत्नी का दूसरे से था संबंध जब पुलिस ने संतोष सहनी को पकड़ कर पूछताछ शुरू की तो उसने अपने कबूले बयान में बताया कि मैंने पत्नी की हत्या की है। हमें इस बात का शक था कि मेरी पत्नी का किसी के साथ अवैध संबंध है, यह शक उस वक्त हकीकत में बदल गया, जब पटना से वह दुर्गा पूजा में घर आने के लिए मना की। फिर भी मैं घर आया, रात में सो गया, जब दो बजे रात में मेरी नींद खुली। तो मेरी पत्नी संजू बेड पर नहीं थी, सुबह वह घर आई तो मैं पूछा कि कहां थी। उसने कहा कि दो दिन बाद हम दूसरी शादी कर लेंगे। इसी बात पर मेरे सिर पर गुस्सा सवार हो गया। वहीं पास में दबिया रखा हुआ था, उससे उसका गला काट दिया।मृतक संजू दो समूह से लोन ली थी, जिसका अमाउंट करीब दो लाख था। इसके अलावा संतोष सहनी ने बाइक का लोन लिया था, साथ ही गांव के भी कुछ लोगों से पैसे लिए थे, जिसको लेकर दबाव में था। मेरा बिजनेस नहीं चल रहा था, इसी वजह से पटना जाकर काम कर रहा था। बता दें कि संतोष सहनी मछली का व्यवसाय करता था। काम नहीं सही चल रहा था जिसकी वजह से पटना के मछली बाजार में काम कर रहा था। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मामले में एफएसएल की टीम को जांच के लिए भेजा गया है। परिजन ने संतोष के दिमागी संतुलन ठीक नहीं होने की बात बताई है, इसकी भी जांच की जाएगी। वहीं, इस मामले में साइकोलॉजिस्ट डॉ मुकेश कुमार ने भी अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि कभी कभी ऐसा होता है कुछ लोगों के बारे में सबको पता होता है कि हां इसका मानसिक संतुलन खराब है। लेकिन अब हर कोई ऐसा कहे कि वो नशा करता था, उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है।

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलाकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाए रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौंहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगूठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनों से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढती रहती। यह उसने अंततः सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए है। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहने जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखेगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगह को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का अलग सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोर्टस, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैंगिंग ज्वेलरी ऑर्गनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

विदेश से पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करना जरूरी: दास

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि विदेशों से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत को कम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है। दास ने सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण पहला कदम है। हमारा मानना है कि इस तरह के धन प्रेषण की लागत और समय को काफी कम करने की अपार संभावनाएं हैं। डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। आरबीआई की ओर से शुरू किए गए ई-रूपी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है। आगे बढ़ते हुए, मानकों और अंतर-संचालन में सामंजस्य सीबीडीसी को सीमा पार भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गंभीर वित्तीय स्थिरता चिंताओं को दूर करने में सक्षम बनाएगा। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और आंकड़ों के लीक होने का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम उपाय करने चाहिए। बैंकों को एआई और बिगटेक फायदों का लाभ उठाना चाहिए।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने विभिन्न शहरों में आठ खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र खोले

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज मंजूरी प्रक्रिया को बेहतर बनाने और इसमें लगने वाले समय को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र शुरू किया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि कुल आठ खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र (आरएलपीसी) खोले गये हैं। इसमें से चेन्नई में एक केंद्र का भौतिक रूप से उद्घाटन किया गया, जबकि सात अन्य आरएलपीसी विभिन्न शहरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुरू किए गए। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे नए खुदरा कर्ज प्रसंस्करण केंद्र सिर्फ सुविधा के बारे में नहीं हैं। यह एक स्मार्ट, ज्यादा लचीला बैंकिंग ढांचा बनाने के बारे में है। डिजिटल उपकरण और उन्नत आंकड़ों का इस्तेमाल करके हम मजबूत जोखिम प्रबंधन सुनिश्चित कर रहे हैं और साथ ही कर्ज प्रसंस्करण समय को भी काफी कम कर रहे हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र को ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, समय को कम करने और खुदरा ग्राहकों को तीव्र और अधिक कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजायन किया गया है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने बेंगलुरु, कोयंबटूर, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में खुदरा कर्ज प्रसंस्करण केंद्र शुरू किया है। प्रत्येक केंद्र डिजिटल प्रौद्योगिकियों और स्वचालन क्षमताओं से लैस है, जिससे त्वरित ऋण स्वीकृति सुनिश्चित होती है। ये सुविधाएं वित्तीय पहुंच को बढ़ाने और खुदरा क्षेत्र में बैंक की वृद्धि रणनीति का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बैंक ने शहर के लोकप्रिय स्थलों में से एक पुरानी थलाइवर डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अपने एटीएम कियोस्क भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह एटीएम महज एक सेवा केंद्र नहीं है, यह परंपरा के साथ नवाचार के सम्मिश्रण के प्रति आईओबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जेरोधा को-फाउंडर्स ने अत्यधिक नियमों पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर्स नितिन और निखिल कामथ देश में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स, नियामकों और सरकार से आपस में मिलकर काम करने का आग्रह कर रहे हैं।

कामथ बंधुओं ने जेरोधा के बेंगलुरु ऑफिस में चर्चा करते हुए देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में आए पॉजिटिव बदलावों को सराहा मगर इसके साथ ही दोनों ने चेतावनी दी कि अत्यधिक नियम विकास में बाधा डाल सकते हैं और उद्यमिता को हतोत्साहित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में कामथ बंधुओं के अलावा जेरोधा के मुख्य तकनीकी अधिकारी कैलाश नाथ भी शामिल थे। निखिल कामथ ने स्टार्टअप इकोसिस्टम के भीतर अनिश्चितता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने उद्यमियों और नियामकों के बीच सहयोगात्मक संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हम ऐसे नियामकों के अधीन हैं जिनके साथ हमारा कोई प्रभाव या उनके फैसलों तक पहुंच नहीं है। वे एक दिन में हमारी आय को 50 प्रतिशत तक घटा सकते हैं। वे हमें बंद कर सकते हैं।

हालांकि, कामथ ने यह भी माना कि नियामकों ने सिस्टम को मजबूत बनाया है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि हद से ज्यादा कायदे-कानून इनोवेशन को दबा सकते हैं। कामथ ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक कक्षा में जहां 50 बच्चे हों और शिक्षक मनमाने तरीके से नियम बनाए और बच्चों को डांटें, क्या उन बच्चों में इनोवेशन की भावना उत्पन्न होगी जो डर के माहौल में जी रहे हैं? शायद नहीं। नितिन कामथ ने भी अपने भाई की चिंताओं को दोहराया और बताया कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के नए नियम जेरोधा की रेवेन्यू ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं। उन्होंने सेबी के टू-टू-लेबल सर्कुलर का उदाहरण दिया कि कैसे नियम उनकी गतिविधियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई

- कीमतों में अचानक कटौती पर स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है। एआरएआई ने कंपनी को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में 'बॉस' सेल से पहले एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच (किलो वॉट आवर) मॉडल के दाम घटाए जाने के बारे में सूचित न किए जाने पर चिंता जताई है। इस प्रकार की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत सरकारी सब्सिडी पाने के लिए पात्रता को प्रभावित कर सकती है। एआरएआई भारी उद्योग मंत्रालय के तहत एक वाहनों का परीक्षण करने वाली एजेंसी है। यह एजेंसी केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अनुसार मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) को प्रमाणन प्रदान करती है। वह केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत प्रोत्साहन के लिए आवेदन करने वाली ओईएम को भी प्रमाणित करती है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के लिए कीमत 74,999 रुपये से घटाकर 49,999 रुपये कर दी है। मगर कंपनी ने एआरएआई को अपने इस मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपये बताई है। इतनी कीमत और 2 केडब्ल्यूएच बैटरी क्षमता के आधार पर इस मॉडल को 10,000 रुपये की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है। पीएम-ईड्राइव दिशानिर्देशों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में पंजीकृत ई-दोपहिया और ई-तिपहिया वाहनों के लिए 5,000 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच और वित्त वर्ष 2026 के लिए 2,500 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव दिया गया है।

भारत में चीन से घटिया स्टील हो रहा डंप.....मोदी सरकार सतर्क

नई दिल्ली ।

भारत सरकार चीन से आ रहे घटिया स्टील के आयात को देखकर सख्त गुणवत्ता मानकों को कठोर करने पर काम कर रही है। भारत का यह निर्णय अक्टूबर की शुरुआत में इस्पात मंत्रालय की तरफ से किए गए एक विस्तृत समीक्षा के बाद लिया गया है। समीक्षा में ग्लोबल लेवल पर ट्रेड डायवर्जन की वजह से इस क्षेत्र पर बढ़ते खतरे को उजागर किया गया था। चालू वित्त वर्ष (25) के पहले पांच माह में, भारत स्टील का शुद्ध आयातक बन गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में देश ने 3.45 मिलियन टन (एमटी) स्टील का आयात किया, जबकि 1.92 एमटी का निर्यात हुआ। आयात में यह बढ़ोतरी वैश्विक उत्पादकों की तरफ से नए बाजारों की तलाश के कारण हुई है।

ग्लोबल प्रोड्यूसर्स इसलिए नए बाजारों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने टैरिफ बढ़ाया है और इस दौरान मांग भी कमजोर हुई है। इसके चलते भारत में स्टील डंपिंग का जोखिम बढ़ गया है।

मोदी सरकार का गुणवत्ता जांच को कड़ा करने का उद्देश्य स्टील आयात की बाढ़ को रोकना है। वर्तमान में, कई स्टील ग्रेड को इस्पात मंत्रालय की तरफ से जारी 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) के आधार पर आयात की अनुमति मिलती है, भले ही पहले से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) लागू हों। हालांकि, अब अधिकारियों का कहना है कि आगे से केवल उन्हीं स्टील ग्रेड्स के लिए एनओसी दी जाएगी, जिनका स्थानीय उत्पादन नहीं होता।

इससे इसतरह के स्टील का आयात रुकने की उम्मीद है जो भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अनुरूप नहीं है। इस्पात मंत्रालय ने 151 क्यूसीओ के तहत 1,279 स्टील ग्रेड के लिए मानदंड जारी किए हैं, लेकिन 1,127 ग्रेड्स को एनओसी के साथ आयात की अनुमति दी गई है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री एक प्रतिशत घटी

नई दिल्ली । सितंबर में देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 3,56,752 यूनिट रही। सितंबर, 2023 में कंपनियों ने डीलर को कुल 3,61,717 गाड़ियां भेजी थीं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि हालांकि, कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 20,25,993 यूनिट रही। पिछले साल सितंबर में यह 17,49,794 यूनिट थी। सियाम ने कहा कि कुल तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 79,683 यूनिट हो गई, जो सितंबर 2023 में 74,671 यूनिट थी।

खुलने से पहले ही देश के सबसे बड़े आईपीओ में आई गिरावट

मुंबई । कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने जा रही है, जिसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ 15 अक्टूबर से लेकर 17 अक्टूबर तक निवेश के लिए खुला रहेगा। इस दौरान निवेशक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के तहत कोई फ्रेश शेयर जारी नहीं करेगी। कुल 14.22 करोड़ शेयर जारी होंगे। ये शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत जारी किए जाएंगे। इस आईपीओ को ग्रे मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इस आईपीओ का ग्रे मार्केट में रिस्पॉन्स अच्छा नहीं रहा है। प्राइज बैंड की घोषणा के बाद से इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) लगातार गिर रहा है। 9 अक्टूबर को इसका जीएमपी 175 रुपए था लेकिन अब यह घटकर 65 रुपए रह गया है, जो यह दिखाता है कि यह 3.83 फीसदी प्रीमियम पर 2035 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। ऐसी स्थिति में इसे फ्लैट लिस्टिंग माना जाएगा।

कई राज्यों में घटे पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली । भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद हर रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल के नए रेट अपडेट करती है। बता दें कि यूपी हो या दिल्ली, सब जगह पेट्रोल डीजल के भाव अलग होते हैं। ऐसे ही तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। राज्य स्तर पर बात करें तो सोमवार को महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 49 पैसे घटकर 104.27 रुपये प्रति लीटर और डीजल 45 पैसे घटकर 90.81 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं यूपी में पेट्रोल 23 पैसे घटकर 94.47 रुपये प्रति लीटर और डीजल 26 पैसे घटकर 87.53 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल, झारखंड, मणिपुर और राजस्थान में भी पेट्रोल-डीजल के दाम घट गए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 592 अंक , निफ्टी 163 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली हावी रहने से आई है। वहीं इससे पहले के अंतिम कारोबारी दिन बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी उछलकर बंद हुए। इसके अलावा वित्तीय और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में भी बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.73 फीसदी या 591.69 अंक ऊपर आकर 81,973.05 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी भी 0.66 फीसदी तकरीबन 163.70 अंक ऊपर आकर 25,127.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.86 फीसदी बढ़ा। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं।

वहीं दूसरी ओर मारुति का शेयर 1.85 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट,नेस्ले इंडिया, टीसीएस और टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये। निवेशकों का ध्यान अब सितंबर के घरेलू मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगा। यह आंकड़े तय करेंगे कि केंद्रीय बैंक आरबीआई ब्याज दरों में कितनी कमी करेगा। निवेशक ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेतों पर नजर गड़ाए हुए हैं और सतर्क रुख अपना रहे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम कमजोर रहने और तेल की कीमतों में गिरावट के बीच ही भारतीय बाजार आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर खरीदारी से ऊपर आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 210.37 अंक बढ़कर 81,591.73 पर खुला। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी-50 59.20 अंक की तेजी के साथ 25,023 पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

एलआईसी ने पॉलिसी के नियम बदले, योजना में एंट्री उम्र घटाई!

नई दिल्ली । देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि वह सेविंग प्लान भी है। इसमें मृत्यु और परिपक्वता के लाभ एक साथ मिल जाते हैं। एंडोमेंट प्लान वाली इश्योरेंस पॉलिसी में आपको लाइफ कवर के साथ ही मैच्योरिटी बेनिफिट भी मिलते हैं। इसके चलते पॉलिसी के दौरान व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर परिवार को भुगतान किया जाता है। साथ ही मैच्योरिटी पर अलग लाभ मिलते हैं। हालांकि, हालिया बदलावों के बारे में एलआईसी ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

6 जी की दौड़ में आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली । भारत 6जी प्रौद्योगिकी के पेटेंट की होड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अलग-अलग अध्ययनों के आधार पर भारत इस मामले में दुनिया में चौथे से छठे स्थान पर है। दिल्ली एशिया में 15 अक्टूबर से पहली बार में विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली (डब्ल्यूटीएसए) की मेजबानी कर रहा है और यह 6जी के लिए मानक निर्धारण में इसके प्रभाव और भूमिका को निर्धारित कर सकती है। यह सम्मेलन 190 देशों के प्रतिनिधियों को 6जी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा जैसी महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए भविष्य के मानक पर चर्चा करने का मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत का लक्ष्य आईपी का प्रमुख प्रदाता बनना और किफायती 6जी समाधान उपलब्ध कराना है। वैश्विक आईपी प्रबंधन सेवाओं के लिए पेटेंट तथा ट्रेडमार्क लाइफ साइकल- मैक्सवेल के आंकड़ों के अनुसार भारत 188 6जी पेटेंट के साथ दुनिया में छठे स्थान पर है। चीन 6,001 पेटेंट के साथ सबसे आगे है जबकि दूसरे स्थान पर 3,909 पेटेंट के साथ अमेरिका का कब्जा है। इसके बाद दक्षिण कोरिया (1,417), जापान (584) और यूरोपीय संघ (214) का स्थान आता है। ब्रिटेन (151), जर्मनी (84), स्वीडन (74) और फ्रांस (73) 6जी पेटेंट के मामले में भारत से पीछे हैं। ब्रिटेन के एक अध्ययन के अनुसार पिछले साल अप्रैल में भारत 265 पेटेंट के साथ चौथे नंबर पर था। इससे ऊपर चीन (4,604), अमेरिका (2,229) और दक्षिण कोरिया (760) थे। आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की स्थिति तेजी से बदली है। अगस्त 2021 में जापान के निकेई और साइबर क्रिएटिव इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि 6जी पेटेंट में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.3 फीसदी थी। वहीं 35.5 फीसदी के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर था।

महंगी सब्जियों ने बिगाड़ दिया अर्थव्यवस्था और रसोई का पूरा गणित

नई दिल्ली ।

महंगी सब्जियों ने अर्थव्यवस्था के साथ महिलाओं की रसाई का गुणा-गणित बिगाड़ दिया है। दरअसल खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य महंगाई (डब्ल्यूपीआई) सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हुई। मोदी सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः 78.13 और 78.82 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 2.42 प्रतिशत से बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 3.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.47 प्रतिशत रही। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -0.67 प्रतिशत से घटकर 4.05 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.22 प्रतिशत से घटकर 1 प्रतिशत रही। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तब प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

इस त्यौहार एचएंडएम का नया फेस्टिव कलेक्शन

रांची : त्यौहारों को विशेष बनाते हुए, एचएंडएम ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए एक शानदार फेस्टिव कलेक्शन पेश किया है। त्यौहार की भावना और आकर्षण को बढ़ाने वाले इस बेमिसाल कलेक्शन में स्टाइलिश महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक ओकेशन वियर और पुरुषों के लिए स्पेशल वियर की शानदार रेंज शामिल है। इस सम्पूर्ण कलेक्शन को त्यौहार को जीवंत बनाने, भीड़ से अलग दिखने और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। एचएंडएम की कॉन्सेप्ट डिजाइनर इलियाना मसगालोस कहती हैं, 'हमारा दृष्टिकोण फेस्टिव सीजन के लिए कुछ रोमांचक और विशिष्ट बनाना है, ताकि अपने ग्राहकों को एक ऐसा कलेक्शन पेश कर सकें, जो न सिर्फ स्टाइलिश और आधुनिक हो, बल्कि प्रत्येक ग्राहक के व्यक्तित्व को सबसे अलग ढंग से निखारने में भी मदद करे। इन्हें खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये मॉडर्न फैशन से मेल खाने के साथ ही हमेशा सदाबहार बने रहें।

कब भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

ललित गर्ग

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए।

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार। आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादी को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भुखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भुखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत को टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलेपन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्ट न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता का कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्ट बताती है कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सास्किया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है। अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्चे में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भुखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भुखमरी एवं कुपोषण को त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दर्शाता है।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और असंस्कृत समाज चाहते हैं या हम इसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते हैं या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

संपादकीय

ढोल में पोल न हो

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधीकरण बुजुर्गों के लिए अधिक स्वास्थ्य पैकेज जोड़ने की आवश्यकता का आंकलन कर रही है। इससे तकरीबन साढ़ेरूचार करोड़.परिवारों के छह करोड़.बुजुर्गों को लाभ मिलेगा। यह आवेदन आधारित योजना है। इसके लिए प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना पोर्टल या आयुष्मान एप पर पंजीकरण करना होगा। 70 या उससे अधिक उम्र वाला हर बुजुर्ग आयुष्मान कार्ड.प्राप्त करने व तथा विस्तारित योजना शुरू होने पर सूची वाले किसी भी अस्पताल में पांच लाख तक का इलाज मुफ्त कराने के पात्र होंगे। पहली सितम्बर तक साढ़े बारह हजार से अधिक निजी अस्पतालों समेत 29,648 अस्पतालों को इस योजना के तहत सूचिबद्ध किया जा चुका है। वर्तमान में दिल्ली, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल को छोड़कर 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसे लागू किया जा रहा है। जो लोग पहले से केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं, पूर्वसैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना और आयुष्मान केंद्रीय सशस्त्र बल का लाभ उठा रहे हैं, वे दोनों में विकल्प चुन सकते हैं। आम जनता के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा से गंभीर रहे हैं। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा व आयुष्मान जैसी सुविधाओं की शुरूआत का उद्देश्य किफायती दर पर सबको इलाज मिलने की व्यवस्था उन्होंने ही दी है। हालांकि जितना इसका प्रचार किया गया, यह उतनी सफल नहीं हो पाई। खासकर देश के पिछड़े.राज्यों व इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओंको उपलब्ध कराना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि इस नई योजना के तहत अस्पतालों की संख्या काफी बढ़ाई गई है। वरना अब तक लोगों को अपने मरीज को लेकर बड़े.कस्बों या नजदीकी शहर की तरफ भागना पड़ता रहा है। दवाओं और निजी अस्पतालों के मोटे-मोटे बिलों को चुकाने लायक सामर्थ्य अभी अपने यहां बड़े.वर्ग की नहीं है। जिन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों से लेकर गंभीर रोगों का इलाज कराने के लिए परिवार का मुंह ताकना पड़ता है। इस योजना के चलते उम्मीद की जा सकती है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, जो अपने बुजुर्गों के इलाज में पैसों की कटौती करने को मजबूर है, अब उनका बेहतर इलाज करवा सकेगा। परंतु मह'वपूर्ण तथ्य याद रखना होगा कि इन अस्पतालों में दवाओं, चिकित्सकों व सहयोगी कर्मचारियों का अकाल न रहने पाए। वरना योजनाओं का लाभ बुजुर्गों को प्राप्त नहीं हो सकता।

गुजरात हादसा : कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर

नरेन्द्र भारती

कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है बेशक प्रतिवर्ष 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है । केवल मात्र एक दिन बडे-बडे सैमिनार, गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जाते है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुर्खियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। ताजा हादसा 12 अक्टूबर को गुजरात के मेहसाणा के कड़ी कस्बे मे घटित हुआ जहाँ काम करते समय 9 मजदूर जिन्दा दफन हो गए सभी मजदूरों के शव निकाल दिए है दफन होने वाले मजदूर 25 से तीस साल के थे'मजदूरों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा को उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी'देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेंगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाएं चलाई जाती है मगर उन्हें उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तरकाशी में बेकसूर मजदूरों ने 17दिन और 16 रातें कैसे निकाली थी यह मजदूर ही जानते होंगे' खौफनाक मंजर को कभी नहीं भूल पाएंगे' 17 दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए थे' मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था को जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगे' करोड़ों देश वासिओं को दुआएं रंग लाई और मजदूरों को नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थे' 12 तारीख को एक तरफ रविवार को दीपावली के दिन जहाँ पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दुःखद हादसा हुआ था जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग के अंदर फंस गए थे' उत्तरकाशी के सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत के बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जारी रेस्क्यू अभियान का 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा था और मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था' देश प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुर्खियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं।हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है।कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं।हादसों की वजह से बच्चे अनाथ हो रहे है।मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे हैं।हादसों को देखकर रौंगटे खडे हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईंटों के भठ्ठों में मजदूर मारे जा रहे हैं।मजदूरों के पसीने से ही ईंट पकती हैं मगर भठ्ठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर श्रम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।आकड़ों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। बीते वर्ष में रायबरेली के ऊंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाञ्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपुर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट मे जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे।गत वर्ष एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए।यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई यह बहुत ही दुखद हादसा था। मुम्बई के अंलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लू के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में फिर एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। जब वह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमींदोज होते रहगें।कुछ दिन पहले निर्माणाधीन यह इमारत ताश मे पतों की तरह ढह गई यहां ज्यादातर मजदूर ही रह रहे थे ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया । प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है। सरकार ऐसी घटनाओं के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती लेकिन यदि पहले ही इन लोगों पर करवाई कर ली जाए तो ऐसे हादसे रुक सकते है मगर सरकारों की तन्द्रा तो हादसे के बाद ही टूटती है। आखिर कितने हादसों के बाद प्रशासन अपनी जिम्मेवारी निभायेगा इस प्रशन का जवाब सरकार को देना होगा। इमारतों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो इन हादसों के लिये प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेवार हैं। जो चंद चांदी के सिक्कों के की चाहत के लिए मजदूरों की जिन्दगियां ले रहे हैं ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ा संज्ञान लेना चाहिए जो मानव की जान लेने से भी नहीं हिचकचाते ऐसे जल्लादों को सरेआम फांसी देनी चाहिए।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भर्तृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठित और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

जंगली जानवर : न उजाड़ें नैसर्गिक संरचनाओं को

पंकज चतुर्वेदी

ऐसा कहा जाता है कि बरसात के मौसम में जंगल में मंगल होता है। घने वन झूमते हैं और हर जानवर के लिए पर्याप्त भोजन होता है, लेकिन इस बार अकेले उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के अलग-अलग हिस्सों में तेंदुए ऐसे मौसम में बस्ती की तरफ आ रहे हैं और उनकी भिड़ंत इंसान से हो रही है। मुरादाबाद- अमरोहा के सैकड़ों किसान तेंदुए के डर से खेत नहीं जा रहे तो लोगों ने दिन में भी जंगल या एकांत से गुजरना छोड़ दिया है। हापुड़ और मेरठ में भी घनी बस्ती में तेंदुआ पालतू जानवरों का शिकार कर चुका है। बिजनौर में तेंदुआ 25 से अधिक जान ले चुका है। पीलीभीत के आसपास एक हजार से अधिक तेंदुओं के घूमने की बात जंगल महकमा कह रहा है। उत्तर प्रदेश में तो भेड़िये, सियार, कुछ जगह गुलदार और बाघ के कारण लोगों में दहशत है, लेकिन असम, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश से भी तेंदुए के गांवों तक आने की खबर को सामान्य नहीं माना जा सकता।

यह सच है कि जंगलों में बाघ की संख्या बढ़ने से तेंदुओं को पलायन करना पड़ रहा है, लेकिन बरसात में पलायन का बड़ा कारण बदलता मौसम है। तेंदुए जैसे जानवर को क्या जलवायु अपरिवर्तन से जूझने में दिक्कत हो रही है? यह सच है कि जब जंगल का जानवर बस्ती में दिखता है तो इंसान में भी डर की भावना आती है। एक तो समझना होगा कि तेंदुआ बस्ती की तरफ या क्यों रहा है, दूसरा यह स्वीकार करना होगा कि कोई भी जानवर इंसान पर हमला करने के लिए गांव-शहर में आता नहीं, फिर इस बात का ऐसा निदान खोजा जा सकता है कि प्रकृति की यह सुंदर देन अपने नैसर्गिक पर्यवास में निरापद रहे। चीता हमारे सामने उदाहरण है कि आजादी के बाद कैसे वह हमारे देश से लुप्त हुआ था। आज भले ही तेंदुए की संख्या पर्याप्त है, लेकिन जब उसका इंसान से टकराव बढ़ेगा तो जाहिर है कि उसके प्रजनन, भोजन, पर्यवास सभी पर कुप्रभाव पड़ेगा, खासकर जब जलवायु परिवर्तन की मार अब जानवरों पर बुरी तरह से पड़ रही है। यह बात गौर करने की है कि कुछ साल पहले तक तेंदुए के शावक जनवरी से मार्च तक दिखाई देते थे, लेकिन इस बार भारी बरसात में अर्थात जुलाई में जगह-जगह शावक दिख रहे हैं। जाहिर है कि बदलते मौसम ने तेंदुए के प्रजनन काल में बदलाव कर दिया है। हो यह रहा है कि बाघ के कारण तेंदुए जंगल छोड़ने पर जब मजबूर होते हैं तो वे बस्ती-शहर के पास डेरा डालते हैं, जहां तापमान बढ़ने का कुप्रभाव सबसे अधिक है और इस ने उनक कई मूल स्वभाव में परिवर्तन ला दिया है। घने जंगल कम होने से तेंदुए के इलाके में बाघ का कब्जा हो गया और जब पानी और घास पर जीने वाले जीव, जोकि मांसाहारी जानवरों के भोजन होते हैं, उनकी पर्याप्त संख्या होने के बावजूद तेंदुए को अधिक गरम इलाके में आना पड़ रहा है। जान लें कि जंगल का जानवर इंसान से सर्वाधिक भयभीत रहता है और वह बस्ती में तभी घुसता है जब वह पानी या भोजन की तलाश में बेहाल हो जाए। चूंकि तेंदुआ कुत्ते से लेकर मुर्गी तक को खा सकता है अतः जब एक बार लोगों की बस्ती की राह पकड़ लेता है तो सहजता से शिकार मिलने के लोभ में बार-बार यहां आता है। घने जंगल में बिल्ली मौसी के परिवार के बड़े सदस्य बाघ का कब्जा होता है और इसीलिए परिवार के छोटे सदस्य जैसे तेंदुए या गुलदार बस्ती की तरफ भागते हैं। विडंबना है कि जंगल के संरक्षक जानवर हों या फिर खेती-किसानी के सहयोगी मवेशी, उनके के लिए पानी या भोजन की कोई दूरगामी नीति नहीं है। तेंदुआ एक अच्छा शिकारी तो है ही, किसी इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र की गुणवत्ता का मानक चिह्न भी होता है। दुर्भाग्य है कि आज इसका अस्तित्व ही खतरे में है। जंगली बिल्लियों के कुनबे के मूलभूत गुणों से विपरीत इनका स्वभाव हालात के अनुसार खुद को ढाल लेने का होता है। जैसे कि ये चूहों और साही से लेकर बंदरों और कुत्तों तक किसी भी जानवर का शिकार कर सकते हैं। वे घने जंगलों और मानव बस्तियों के पास पनप सकते हैं। यह अनुकूलन क्षमता, इन्हें कहीं भी छिपने और इंसान के साथ जीने के काबिल बना देती है, लेकिन जब तेंदुए जंगलों के बाहर उच्च मानव घनत्व वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, तो हमें लगता है कि वे भटक गए हैं।

हम भूल जाते हैं कि यह उनका भी घर है, उतना ही हमारा भी है। तेंदुआ अपना जंगल छोड़ कर यदि लंबी यात्रा करता है तो उसका कारण भोजन के अलावा अपनी यौन क्रिया के लिए साथी तलाशना होता है। तेंदुए को यदि एक बार इंसान के खून की लत लग जाए तो यह खतरनाक होता है। जंगल का अपने एक चक्र हुआ करता था। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और उसमें बसने वाले जानवरों के प्राकृतिक पर्यवास के नष्ट होने से इंसानी दखल से दूर रहने वाले जानवर सीधे मानव के संपर्क में आ गए। यदि इंसान चाहता है कि वह तेंदुए जैसे जंगली जानवरों का निवाला ना बने तो जरूरत है कि नैसर्गिक जंगलों को छेड़ा ना जाए, जंगल में इंसानों की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगे। खासकर जंगलों में नदी-नालों को खनिज या रेत उत्सर्जन के नाम पर नैसर्गिक संरचनाओं को उजाड़ा न जाए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

तीनों खान से लेकर

अक्षय कुमार तक बॉलीवुड स्टार्स को मिल चुकी है जान से मारने की धमकियां

बाबा सिद्दीकी को सरेआम गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई. जिसके बाद से पूरी मुंबई दहशत में है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बॉलीवुड स्टार्स को भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं. मुंबई देर रात तब दहल उठा जब एनसीपी (अजित पवार) के नेता बाबा सिद्दीकी को गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई. बाबा सिद्दीकी का कनेक्शन राजनीति और बॉलीवुड की हस्तियों के साथ भी रहा है. बाबा सिद्दीकी एक बड़ा नाम है, जो अभिनेता सलमान खान और शाहरुख खान की दोस्ती करायी थी.इस समय पूरी मुंबई में चप्पा-चप्पा पर पुलिस तैनात है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड स्टार्स को भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं.

सलमान खान

सलमान खान को भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं. राजस्थान के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी है. एक बार तो सलमान के घर के बाहर फायरिंग भी हुई थी. जिसके बाद से सलमान की सुरक्षा को और भी बढ़ा दिया गया. इतना ही सलमान के पिता सलिम खान को भी धमकियां मिल चुकी है. फिलहाल सलमान खान के घर के बार सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है साथ ही मुंबई पुलिस ने उन्हें घर के अंदर रहने की सलाह दी है.

शाहरुख खान

बादशाह शाहरुख खान को भी जान से मारने की कई बार धमकियां मिल चुकी है. शाहरुख खान को अंडरवर्ल्ड की तरफ से ये धमकी मिली थी. एक्टर पर लगातार अंडरवर्ल्ड के साथ काम करने और साथ ही फिल्मों की कमाई से हिस्सा देने की मांग की जा रही थी. यह भी मामला उन दिनों काफी सुर्खियों में बना था.

आमिर खान

सत्यमेव जयते की शूटिंग के समय आमिर खान को भी धमकी मिल चुकी है. जिसे देखते हुए आमिर ने खुद की सेफ्टी के लिए बुलेट प्रूफ कार खरीदी थी. यह भी केस उस समय काफी छाया हुआ था.

राकेश रोशन

बॉलीवुड फिल्म मेकर राकेश रोशन को जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. इतना ही नहीं राकेश रोशन को धमकी के साथ-साथ कई बार उनपर गोलियां भी चलाई गई थी. जिनमें से एक बार तो राकेश रोशन के हाथ में गोली लग गई थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था.

महेश भट्ट

फिल्म मेकर महेश भट्ट को भी कई बार धमकियां मिल चुकी है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 12-13 लोगों के एक ग्रुप ने महेश भट्ट पर हमला करने की प्लानिंग की थी. हालांकि मुंबई पुलिस ने अंडरवर्ल्ड की इस साजिश को नाकामयाब कर दिया था. लेकिन यह मामला भी काफी सुर्खियों में बना था.

संजय दत्त

अभिनेता संजय दत्त को भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. क्योंकि संजय दत्त की दोस्ती अंडरवर्ल्ड के साथ काफी अच्छी है. लेकिन बीच में खबर आने लगी थी कि दाऊद इब्राहिम और अबू सलेम की तरफ से उन्हें धमकियां दी जाती थी.

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार को भी गैंगस्टर रवि पुजारा की तरफ से धमकी मिल चुकी है. मीडिया रिपोर्ट की माने तो जब अक्षय कुमार ने काम करने वाले नौकर को काम पर से निकाल दिया था तब गैंगस्टर ने अक्षय को फोन कर बोला था कि नौकर को काम से हटाकर अच्छा नहीं किया है. यह केस भी उन दिनों काफी ट्रेंड में था.

टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस जन्नत

साल 2001 में जन्मीं जन्नत टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस रह चुकी हैं। उन्हें काशी, फूलवा और तू आशिकी में दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है। वो 2022 में खतरों के खिलाड़ी 12 में भी पार्टिसिपेट कर चुकी हैं।

जल्द आएगा शो का दूसरा सीजन

बताया जा रहा है कि लाफ्टर शेफ्स को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, इसलिए इसका दूसरा सीजन जल्द शुरू होगा। हालांकि, अभी इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

जन्नत जुबैर के इस पोस्ट पर थम गई निगाहें

टीवी एक्ट्रेस जन्नत जुबैर अपने चाहने वालों के लिए ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं कि हर कोई दिल थामकर देखता रहता है। उनके हालिया पोस्ट को देख हर किसी की निगाहें थम गईं। फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, लेकिन कुछ यूजर्स हैं, जो ताना मार रहे हैं और उन्हें उर्फी जावेद की छोटी बहन बता रहे हैं।

जन्नत के पोस्ट पर जैस्मीन भसीन ने कॉमेंट किया, बहुत प्रिटी। पर कुछ यूजर्स उन्हें ताने मार रहे हैं। एक ने लिखा, उर्फी जावेद की छोटी बहन। तो दूसरे ने कॉमेंट किया, मुस्लिम नाम पर कलंक। कई उन्हें छपरी बोल रहे हैं तो भद्दी बातें बोल रहा है। जन्नत को बीते दिनों लाफ्टर शेफ्स शो में देखा जा रहा था। उनकी जोड़ी उनकी दोस्त रीम शेख के साथ बनी थी। इस शो में ऐसी 6 जोड़ियां थीं। अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, कश्मीरा शाह-कृष्णा अभिषेक, निया शर्मा-सुदेश लहरी, राहुल वैद्य-अली गोनी, अर्जुन बिजलानी-करण कुंद्रा। होस्ट भारती सिंह और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी।

करण जौहर ने दिव्या खोसला को कहा मूर्ख

आलिया भट्ट स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज होने के बाद से ही करण जौहर और दिव्या खोसला कुमार के बीच बहस जारी है। दरअसल, दिव्या का आरोप है कि करण जौहर ने उनकी फिल्म सावी को कॉपी कर जिगरा बनाई है। स्क्रिप्ट चुराने के आरोप लगाने के बाद दिव्या ने हाल ही में जिगरा के खाली थिएटर्स की तस्वीरें शेयर कर कहा था कि आलिया ने अपनी फिल्म की टिकटें खरीदीं और फेक कलेक्शन अनाउंस करवाया है। इसके बाद करण जौहर ने एक पोस्ट शेयर कर दिव्या का नाम लिए बिना उन्हें मूर्ख कहा है।

दिव्या ने बीते दिन पोस्ट में लिखा था, 'जिगरा देखने सिटी मॉल के पीवीआर गई थी, थिएटर पूरी तरह खाली था। बल्कि हर जगह सभी थिएटर्स खाली जा रहे हैं। आलिया भट्ट में सच में बहुत जिगरा है, खुद ही टिकट खरीदे और फेक कलेक्शन अनाउंस कर दिए। मैं हैरान हूं कि आखिर पेड मीडिया चुप क्यों है? जनता को उल्लू नहीं बनाना चाहिए। झूठ के ऊपर सच है।

इसके जवाब में करण जौहर ने बिना नाम लिए लिखा है, बेवकूफों के लिए खामोश रहना ही सबसे बेहतरीन जवाब है। दिव्या खोसला ने करण की पोस्ट सामने आने के बाद जवाब में लिखा है, सच्चाई हमेशा इसके खिलाफ खड़े मूर्खों को भड़का देती है। अगली पोस्ट में उन्होंने लिखा, जब आप बेशर्मी से दूसरों की चीजों पर हक जमाते हुए उसे चुराते हैं, तो आपको चुप रहकर ही बचना पड़ेगा। आपकी कोई आवाज और रीढ़ की हड्डी नहीं होती।

क्या है पूरा मुद्दा?

31 मई 2024 को दिव्या खोसला कुमार की फिल्म सावी रिलीज हुई थी। फिल्म में एक बहन की कहानी थी, जो अपने भाई को बचाने की जद्दोजहद करती है। हाल ही में 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज हुई है, जिसकी स्टोरीलाइन सावी से एकदम मेल खाती है। जिगरा का ट्रेलर आने के बाद से ही दिव्या की टीम, जिगरा मेकर्स पर सावी की कहानी चोरी करने का आरोप लगा रही है। उनकी पीआर टीम ने एक नोट शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। एक्ट्रेस का आरोप है कि, आलिया ने उनकी फिल्म की स्क्रिप्ट चुराई और फिर डायरेक्टर वासन बाला के साथ मिलकर उसमें बदलाव करके 'जिगरा' नाम से रिलीज कर दिया।

डायरेक्टर राज शांडिल्य ने मैडॉक से मांगी माफी

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। हालांकि, इसी बीच फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य को मैडॉक फिल्म्स से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल राज ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'स्त्री' के किरदार और डायलॉग बिना इजाजत अपनी फिल्म 'विक्की विद्या..' में यूज किए थे। राज ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए अपनी फिल्म से ऐसे सीन हटाने की बात भी कही है। राज ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं राज शांडिल्य, फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का डायरेक्टर अपनी और हमारी फिल्म के मेकर्स की ओर से, मैडॉक फिल्म्स की फ्रेंचाइजी 'स्त्री' के कैरेक्टर और डायलॉग्स अपनी फिल्म में बिना इजाजत इस्तेमाल करने के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं। इस उल्लंघन की वजह से मैडॉक फिल्म्स और उनकी फ्रेंचाइजी को जो भी नुकसान हुआ उसके लिए हमें गहरा खेद है।'

कपिल शर्मा शो में करीना ने किया खुलासा

करिश्मा से जलते हैं सैफ

हाल ही में कपूर सिस्टर्स करीना और करिश्मा द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो का हिस्सा बनी हैं। शो में दोनों ने पर्सनल लाइफ और इक्वेशन पर मजेदार बातचीत की है। हाल ही में शो का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना ने ये दावा किया है कि उनके पति सैफ अली खान, बहन करिश्मा से जलते हैं।

बातचीत के दौरान कपिल शर्मा ने कपूर सिस्टर्स से पूछा था कि क्या वो हर हफ्ते मिलते हैं। इस पर करीना ने कहा है कि अगर वो शूट नहीं करती तो रोज करिश्मा से मिलती हैं। आगे करीना ने कहा है, मेरे पति सबसे ज्यादा लोलो (करिश्मा) से जलते हैं। वो हमेशा कहते हैं कि तुम मुझसे भी ज्यादा लोलो से बातें करती हो। मुझे ऐसा लगता है कि तुम मेरे साथ नहीं लोलो के साथ ही रहती हो।

आगे करीना ने कहा है, हम बहुत क्लोज हैं। हम दिन में कम से कम 3-4 बार कॉल पर बात करते हैं। मैं पेरेंट्स के बारे में या कुछ भी हो जाए, हर बात उससे शेयर करती हूं। इस पर करिश्मा ने कहा है कि हम बच्चों के बारे में, कुक के बारे में हर बात करते हैं। हमारी बात सुबह शुरू होती है और रात होने तक खत्म होती है। शो में करिश्मा ने बताया है कि जिस समय करीना ने उन्हें अपने और सैफ के रिश्ते के बारे में बताया तब वो लंदन में थीं। दोनों की डेटिंग की खबर सुनकर करिश्मा कपूर शॉक हो गई थीं। शो में कपिल शर्मा ने करीना से करिश्मा से जुड़े कुछ सवाल किए थे। उन्होंने करीना से पूछा कि करिश्मा की वो कौन सी फिल्म है जो उन्हें नापसंद है। इस पर करीना ने मैदान-ए-जंग का नाम लिया। आगे जब उनसे पूछा गया कि करिश्मा का पहला सेलिब्रिटी क्रश कौन था, तो जवाब में करीना ने सलमान खान का नाम लिया।

करिश्मा कपूर के को-स्टार रह चुके हैं सैफ अली खान

बताते चलें करिश्मा कपूर और सैफ अली खान एक समय में ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनकर काम कर चुके हैं। दोनों को 1999 की फिल्म हम साथ-साथ हैं में साथ देखा गया था, जिसमें उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था।

मल्लिका शेरावत का कैलिफोर्निया वाला घर किसी सपने से कम नहीं!

कई सारे स्विमिंग पूल, जिम और बाहर सुंदर सी झोपड़ी

मल्लिका शेरावत लंबे समय के बाद फिल्मों में वापसी कर रही हैं। उनके बारे में लंबे समय से बातें नहीं हुई हैं लेकिन अब लोग काफी कुछ जानना चाहते हैं। मल्लिका के कैलिफोर्निया वाले घर पर अगर आपकी नजर नहीं पड़ी तो ये फोटोज जरूर देखिए। मल्लिका शेरावत ने 2002 में फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से फिल्मों में कदम रखा। हालांकि, 2004 की फिल्म मर्डर से उन्हें काफी पहचान मिली और वह अपने करियर में एक के बाद एक फिल्मों में काम करती गईं। बाद में वो अमेरिका चली गईं और अब हम आपको उनके अमेरिका वाले घर की फोटोज दिखा रहे हैं, जो किसी के भी सपनों का घर हो सकता है।

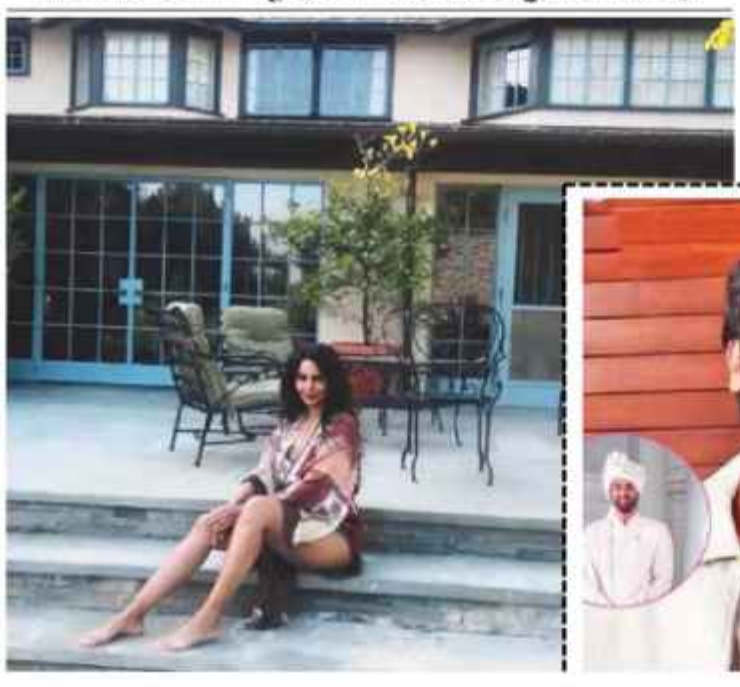

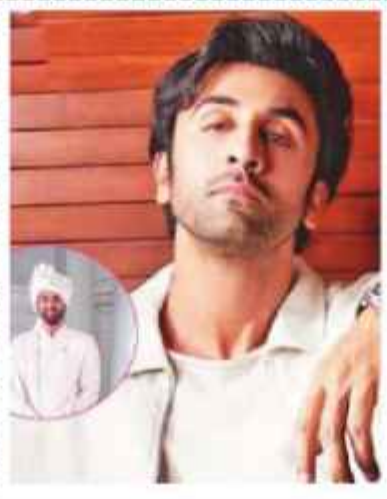

शादी के 2 साल बाद फिर दूल्हा बने रणबीर

राहा के पापा रणबीर कपूर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर छा गए हैं. इस समय फैंस के बीच रणबीर कपूर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में रणबीर कपूर दूल्हे के लिबास में नजर आ रहे हैं. रणबीर कपूर बॉलीवुड के जानेमाने डिजाइनर तरुण तहिलियानी के फैशन शो का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली पहुंचे थे. यहां पर रणबीर कपूर ने शोजटॉपर बनकर धमाकेदार एंट्री मारी. इस दौरान रणबीर कपूर दूल्हा बनकर सफेद गाड़ी की सवारी करते नजर आए. वायरल हो रहे वीडियो में रणबीर कपूर तरुण तहिलियानी के साथ नजर आ रहे हैं. वीडियो में रणबीर कपूर सफेद रंग की शेरवानी पहने दिख रहे हैं. जिसके साथ रणबीर कपूर ने सफेद रंग की खूबसूरत पगड़ी पहनी है. रणबीर कपूर की मोजड़ी ने तो उनके लुक पर चार चांद ही लगा दिए. अब रणबीर कपूर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है. लोग सोशल मीडिया पर लगातार रणबीर कपूर के लुक की तारीफ कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि रणबीर कपूर का मुकाबला कोई नहीं कर सकता. रणबीर कपूर को लेग बेस्ट शोज टॉपर बता रहे हैं. बता दें इन दिनों फिल्म रणबीर कपूर लगातार फिल्म धूम 4 की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं. कुछ समय पहले ही खबर आई थी कि रणबीर कपूर यशराज फिल्म्स की इस हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने वाले हैं.

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

रोहित ने वहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।' उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'

यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है क्योंकि उन्हें इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के शुरुआती रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोट लग गई थी। रोहित ने साथ ही बताया कि भारतीय थिंक टैंक क्यों चाहता था कि ये युवा तेज गेंदबाज सीनियर टीम के साथ रहें।

उन्होंने कहा, 'तो कल अगर हमें लगता है कि वे उस भूमिका (घायल तेज गेंदबाज की जगह) को निभाने के लिए तैयार हैं तो उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। बेशक उन्होंने हमारी घोषणा से पहले कुछ मैच खेले हैं।' रोहित ने कहा, 'उन्होंने दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी भी खेली है। इसलिए हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन पर अच्छी तरह से नजर रखी जाए। उनके काम के बोझ का ध्यान रखा जाए।' रोहित ने कहा कि ऐसा कदम उठाना जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट सफेद गेंद के प्रारूपों की तुलना में बिलकुल अलग खेल है और गेंदबाजों को इससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है।

अश्विन ने वीडियो में कहा, 'देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए, वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है।'

पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

बाबर , शाहीन का मजाक बना रहे पाक प्रशंसक

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में आजकल उथल पुथल मची हुई है। टीम की बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ हार से दिग्गज और प्रशंसक भड़के हुए हैं। इसी को देखते हुए चयन समिति के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तक को बाहर कर दिया गया है। बाबर के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को भी बाहर होना पड़ा है। कुल मिलाकर 4 प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। वहीं इस कारण कई नये खिलाड़ियों को अवसर मिले हैं। अब लोग अनुभवी खिलाड़ियों का मजाक बनाते हुए कह रहे हैं कि ये शायद मोहल्ले में बच्चों के साथ खेलते हुए दिखेंगे।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' अब ये लोग मोहल्ले के बच्चों के के साथ खेलेंगे। ' वहीं एक अन्य यूजर ने तंज कसा कि दिलों का दर्द कम हो जाता अगर जिम्बाब्वे के साथ एक दो सीरीज हो जाती।' एक अन्य यूजर ने लिखा, पाक क्रिकेट बर्बाद हो रहा है तो तीसरे ने लिखा, इन सबको निकालकर जो बदलाव होगा वह कितना सफल रहेगा। इसी कई लोग हैं जो इन खिलाड़ियों के बाहर किए जाने से नाराज जिनि कई तो बोर्ड पर भड़के हुए हैं। इन लोगों का कहना है कि इससे टीम बेहतर नहीं होगी।

बाहर किये गये खिलाड़ियों का हाल में प्रदर्शन खराब रहा है। वहीं पीसीबी चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा कि हमने बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और सरफराज अहमद और नसीम शाह को आराम दिया है जिससे ये तरोताजा हो सकें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले बांग्लादेश को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हराया था जिससे उसके हौसले बुलंद है। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के अलावा युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

शुभमन ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए है जबकि यशस्वी ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक लगाये है। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे जाना रहेगा। शुभमन ने पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों की अंदर आती गेंदों का सामना करना सीख लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में तेज गेंदबाज हसन महमूद की गेंद पर परेशान रहे थे।

वहीं यशस्वी भी तेज गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों का शिकार बने हैं। ऐसे में इस सीरीज में उन्हें इस कमजोरी से निजात पानी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी तेज तेज गेंदबाज है। ऐसे में शुभमन और यशस्वी की राह आसान नहीं रहेगी।

कप्तान रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया पर पिछली 13 पारियों में 497 रन ही बना सके है। इसके अलावा विराट ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है ,ऐसे में उन्हें अब रन बनाने होंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र से सावधान रहना होगा। इन दोनो ने पहले भी देखा जाये तो मेहमान टीम न्यूजीलैंड की मुश्किलें भी कम नहीं है। हाल में उसे श्रीलंका ने 2-0 से हराया है। इस दौरान उसके बल्लेबाज

और गेंदबाज विफल रहे थे। उसके कोच ने भी माना है कि मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी भी फार्म में नहीं है। ऐसे में उसके लिए भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का सामना करना और भी कठिन रहेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में अश्विन और जडेजा अपनी फिरकी में उन्हें फंसा सकते हैं। इनके अलावा तेज जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में ही 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी विचार करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 9000 रन पूरे कर सकते हैं विराट, 53 रनों की है जरुरत

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार से यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस मैच में अपने 9000 रनों को पूरा करने का अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल 53 रनों की जरूरत है। विराट हालांकि पिछली आठ पारियों में केवल एक अर्धशतक बना पाये हैं पर प्रशंसकों को उनसे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। विराट ने ये अर्धशतक साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। विराट के अभी 8947 रन हैं। अगर वह 53 रन बनाकर 9000 रन पूरे करते हैं तो ऐसा करने चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई। क्रिकेट में कई रिकार्ड बनते रहे हैं। ये रिकार्ड इसने बड़े स्तर के है कि इनका टूटना निकट भविष्य में संभव नजर नहीं आता है। इसी कड़ी में पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने सबसे अधिक विकेट के रिकार्ड बनाये हैं। इसमें श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। इस सूची में एकमात्र भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने अपने करियर में कुल 956 विकेट लिए हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने अपने करियर में कुल 1347 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 593 पारी खेली हैं। सबसे अधिक विकेट उन्होंने टेस्ट करियर में लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिवगत शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने अपने करियर में कुल 1001 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने कुल 464 पारियां खेली थीं। उन्होंने भी सबसे अधिक विकेट टेस्ट करियर में ही लिए। वॉर्न कार साल 2021 में निधन हो गया था। तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं, जिन्होंने हाल में ही संन्यास की घोषणा की है। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 560 इनिंग्स खेली थी, जिसमें उन्होंने कुल 991 विकेट लिए थे। चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 501 मैचों में कुल 956 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने टेस्ट पारी में 10 विकेट लेने का भी कारनामा किया है, यह कारनामा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था, इस लिस्ट में पांचवे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा हैं। साल 2007 में संन्यास लेने वाले मैकग्रा ने अपने देश के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 493 पारियां खेली थी। इस दौरान उन्होंने 949 विकेट अपने नाम किए थे।

एचआईएल 2024: भारतीय कप्तान से ज्यादा ये खिलाड़ी बिके महंगे, नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला हॉकी इंडिया लीग पहली बार आयोजित हो रही है। इसका आयोजन बुधवार को दिल्ली में हुआ। इस ऑक्शन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए टीमों ने जमकर पैसा लुटाया। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेम्बियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पुनिया जैसे नाम महंगे साबित हुए। हालांकि, कप्तान सलीमा टेटे से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों पर पैसा बरसा।

सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद महिला टीम की कप्तान भी पंजाब के ही हिस्सा आई। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान जिनके लिए कई टीमों के बीच लड़ाई देखने को मिली। आखिर में सूरमा और बंगाल के बीच बोलिंग की लंबी लड़ाई चली और दुहान को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। हालांकि, ये पुरुष लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी की आधे से भी कम रकम है।

एचआईएल नीलामी : के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के बिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रैंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

न्यूजीलैंड को झटका , सियर्स भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

-अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी शामिल

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने में चोट के कारण सीरीज से भी बाहर हो गये है। उनकी जगह पर अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को टीम में जगह दी गयी है। सियर्स को श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के लिए ट्रेनिंग के दौरान बाएं घुटने में दर्द उठा था। इसके लिए पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड में उनका स्कैन भी हुआ था। इसी को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, सियर्स के स्कैन में मेनिस्कस में चोट पाये जाने

के बाद वह भारत दौरे पर नहीं भेजे गये है। पहले उम्मीद थी कि वह ठीक हो जाएंगे पर चिकित्सा सलाह के बाद उन्हें सीरीज से बाहर किये जाने पर फैसला हुआ है। वहीं मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, इस क्रिकेटर का बाहर होना निराशाजनक है। सियर्स ने घरेलू मैदान पर गर्मियों के दौरान अपने टेस्ट करियर की अच्छी शुरुआत की और एक वास्तविक तेज गेंदबाजी विकल्प दिया है। अब वह देखना बाकी है कि वह कब वापसी कर पाते हैं। हमें उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। डफी सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज है। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए छह एकदिवसीय और 14 टी20 मैच खेले हैं और अभी उनके नाम 299 प्रथम श्रेणी विकेट है। स्टीड ने कहा, सियर्स की जगह शामिल डफी के लिए यह अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। हमें तीन टेस्ट मैच खेलने हैं, इसलिए उनके पास टेस्ट डेब्यू करने का अच्छा अवसर है। काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेलने के जैकब के हालिया अनुभव ने निश्चित रूप से उनकी जगह पक्की कर दी है। टीम के लिए सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा है और हमें विश्वास है कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वे योगदान दे पाएंगे।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय महिला टीम का सफर फिर निराशाजनक रहा

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की उम्मीदें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही समाप्त हो गयी थी। इसके बाद बची हुई उम्मीदें पाकिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार से समाप्त हो गयी। पाक के साथ ही भारतीय टीम भी महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। यह आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का नौवां सत्र था जिसमें भारतीय टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने साल 2020 में फाइनल खेला था। भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में थी। इस ग्रुप में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी थी। इसमें भारतीय टीम का भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ था। भारतीय टीम को इस मुकाबले में 58 रन से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय महिला टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से हुआ था। इसमें भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। भारतीय महिलाओं ने इसके बाद श्रीलंका को भी आसानी से हरा दिया था। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 82 रन से जीता, यह टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत थी। भारत का आखिरी ग्रुप मैच ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया अपने पहले तीन मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था। भारत के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त खेल दिखाकर 9 रन से जीत दर्ज की, भारत को इस मुकाबले को जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रन बनाने थे और उसके 5 विकेट बाकी थे। इसके बाद भी भारतीय टीम दबाव में 9 रन नहीं बना सकी थी। भारतीय टीम इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा ही हारती रही है।

मिताली राज का टीम इंडिया पर बड़ा हमला- 3 साल में कोई सुधार नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को महिला टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पिछले 3 वर्षों में खेल के विभिन्न विभागों में सुधार करने में विफल रहने को जिम्मेदार ठहराया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह पहली बार है कि भारत आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा। इससे टीम का विश्व कप खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ गया। इसके साथ ही कप्तान के रूप में उनके भविष्य पर गंभीर सवालिया निशान लग गए।

बहरहाल, मिताली ने कहा कि टीम के पतन का कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य बैठाने में विफल रहने के साथ बल्लेबाजी में स्पष्टता की कमी और खराब क्षेत्ररक्षण था। भारत की पूर्व कप्तान मिताली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार ने इस बात को साबित किया कि इस टीम ने पिछले तीन साल में कोई सुधार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच की बात करूं तो यह जीतने लायक मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी परिपाटी का पालन कर रहे हैं जिसमें मैच को आखिरी ओवरों तक ले जाकर हार का सामना करना शामिल है। यह रणनीति कारगर नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले दो-तीन वर्षों में मैंने वास्तव में इस टीम में कोई विकास नहीं देखा है। मेरा मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ टीम को हराने के लिए आप हमेशा तैयारी करते हैं। ऐसा लगता है कि हम अन्य टीमों को हरा रहे हैं और हम इससे काफी खुश हैं। मिताली ने कहा कि इस टूर्नामेंट में हर दूसरी टीम ने सीमित गहराई के बावजूद विकास दिखाया है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण दक्षिण अफ्रीका है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को अनुकूल परिस्थितियों में मिली हार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारी खिलाड़ियों ने धीमी विकेटों से सामंजस्य बैठाने में समय लिया जबकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ऐसा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि 'हैरानी की बात यह है कि हमें विकेट की धीमी गति से तालमेल बैठाने में समय लगा। वनडे विश्व कप के विपरीत यह एक छोटा टूर्नामेंट है। आपके पास परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है। सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हमारे खिलाफ इतने रन बनाने में सक्षम थी और वह धीमी पिचों पर खेलने की आदी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

गाजा में स्कूल पर हमले में बच्चों समेत 20 लोगों की मौत, सुरंग में इजराइली सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी कर रहे सरेंडर

येरूसलम, एजेंसी। मध्य गाजा में एक स्कूल में इजराइल के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अस्पताल ने यह जानकारी दी। नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाएं भी मारी गईं। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी हैं। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। शवों को नुसरत के अल-अक्सा अस्पताल और दीर अल बला के अल-अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की बमबारी और गाजा पर उसके जमीनी आक्रमण में 42 हजार से अधिक फिलीस्तीनी मारे गए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के आतंकवादी अब इतने डरे हुए हैं कि वे मरने से बचने के लिए इजराइली बलों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों दक्षिणी लेबनान के एक गाँव में भूमिगत ढाँचे (सुरंग) में रह रहे एक आतंकवादी ने वहाँ पहुँची सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी टनल तक पहुंच गई जिसका एक वीडियो भी शेयर किया गया है जिसमें सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी सरेंडर करते दिखे। बता दें कि दक्षिणी लेबनान में टनल में बड़ी संख्या में हिजबुल्लाह के आतंकी सक्रिय है जिनके खात्मे के लिए इजरायल लगातार इन टनल को निशाना बना रही है। राजधानी बेरूत पर इजराइल के हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। इस हमले में 22 लोग मारे गए थे। बाद में हिजबुल्ला ने कहा कि उसने इजराइल के विशिष्ट 'गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया तथा ड्रोन के हमले के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर कब्जा करने के लिए कई मिसाइलें दागीं।

अमेजॉन की जनजाति पर इंटरनेट का असर, शिकार छोड़कर फोन चलाते रहते हैं लोग

वाशिंगटन एजेंसी। इंटरनेट ने लोगों की जिंदगी को अच्छे और बुरे दोनों ही तरीकों से प्रभावित किया है। दूरस्थ अमेजॉन के जंगलों में रहने वाली जनजाति भी इसके प्रभाव से अपने आप को अछूता नहीं रख पाई है। अमेजॉन की मरूबो जनजाति के लोग पिछले दशक तक आधुनिक दुनिया से पूरी तरह से दूर रहते थे लेकिन पिछले कुछ समय में इंटरनेट ने उनकी दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जंगलों में बहुत अंदर बसे होने के कारण 2023 तक इनके पास मोबाइल फोन तो थे लेकिन लेकिन नेटवर्क ना होने की वजह से वह आधुनिक तकनीकि से अधिक प्रभावित नहीं थे। लेकिन फिर एलन मस्क ने इस क्षेत्र में अपने सैटेलाइट इंटरनेट स्टारलिंक को लॉन्च करके पूरी कहानी पलट दी। मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने इस जनजाति के गांव में कुछ एंटीना लगाए और अमेजॉन वर्षावनों की गहराई में रहने वाली मोरुबो जनजाति तक भी इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित कर दी। सितंबर 2023 में इंटरनेट की पहुंच के बाद इस जनजाति के लोगों के जीवन में बहुत ही तेजी से बदल गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में इस गांव के बदले हुए हालातों को बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव में लोगों के पास पहले से फोन थे लेकिन इंटरनेट ना होने की वजह से वह इनका उपयोग केवल फोटो खींचने और कभी-कभार बात करने के लिए करते थे लेकिन जब स्टारलिंक यहां आया तो जिंदगी बदल गई। त्साइनमा मोस्बो ने टाइम्स को बताया कि हमारी जनजाति में पहले लोग बहुत खुश रहते थे। अब वह दिन भर अपना काम काज छोड़कर मोबाइल फोन पर ही लगे रहते हैं। हमारे युवा जिन्हें काम करना चाहिए, वह इंटरनेट की वजह से आलसी हो रहे हैं। ये गोरे लोगों के तौर-तरीके सीख रहे हैं और लगातार अपनी जड़ों से कट रहे हैं। जनजाति के नेता अल्फ्रेडो मारुबो ने कहा कि युवा लोग अपने फोनों में अश्लील वीडियो देख रहे हैं।

यूक्रेन पर आफत गिरी, नारंगी हो गया आसमान; रूस का गुप्त हथियार जो किसी के पास नहीं

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दिन बढ़ने के साथ खतरनाक होता जा रहा है। इस महायुद्ध को अगले साल फरवरी महीने में तीन साल पूरे हो जाएंगे। इस बीच पूर्वी यूक्रेन के एक शहर कोस्तियातिन्विका में रूस का ऐसा गुप्त और रहस्यमयी हथियार गिरा, जिसने पूरी दुनिया में कौतूहल बढ़ा दिया है। यह गुप्त हथियार दुनिया में इकलौता और सबसे उन्नत किस्म का है, जो रूस के अलावा किसी और के पास नहीं है। जब यह यूक्रेन में फटा तो कुछ देर के लिए आसमान नारंगी हो गया। यूक्रेनियों ने ऐसा नजारा पहली बार देखा और मारे दहशत के बंकरों में छिप गए। इतने लंबे वक्त से चल रहे इस युद्ध में कभी इस हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यूक्रेन आशंकित है कि रूस का यह हथियार बताता है कि वह कुछ बड़ा करने की योजना बना रहा है। इस गुप्त हथियार से किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। ऐसी चर्चाएं हैं या तो यूक्रेनी लड़ाकों ने इसे हवा में ही नष्ट कर दिया या रूस द्वारा गलती से छोड़े जाने पर उसी ने इसे नष्ट कर दिया, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस गुप्त हथियार के साथ रूसी लड़ाकू विमान भी आसमान पर दिखाई दिए। रूस नहीं चाहता था कि यह दुश्मन के हाथ लगे और इस हथियार से जुड़ी जानकारी दुनिया के सामने आए। यह हथियार रूस का प्रसिद्ध एस-70 ओखोत्निक ड्रोन बताया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस तरह का उन्नत हथियार दुनिया में किसी के पास नहीं है। इससे पहले रूस ने जब भी यूक्रेन पर हवाई हमले किए हैं, आसमान पर सफेद रंग की रोशनी दिखाई दी है, लेकिन इस बार पूरा आसमान नारंगी रंग में नहाया हुआ दिखाई दिया।

दुनिया की इस जमीन पर नहीं है किसी भी देश का कब्जा, कोई भी जाकर बन सकता है पीएम

येरूसलम, एजेंसी। जमीन के लिए दुनिया के कई हिस्सों में देशों के बीच में लड़ाई मची हुई है। सबसे बड़ी लड़ाई इस वक्त फिलीस्तीन और इजरायल के बीच मची हुई है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन इजरायल से कुछ किलोमीटर दूर ही जमीन का एक हिस्सा ऐसा है जिस पर कोई भी देश कब्जा नहीं करना चाहता। दरअसल, हम बात कर रहे हैं बिर ताविल नामक क्षेत्र की, जो कि इजिप्ट और सूडान की सीमा के बीच में बसा हुआ है। इस रेगिस्तानी क्षेत्र पर ना तो सूडान अपना दावा करता है और ना ही इजिप्ट।

पिछले 60 सालों में यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय नेताओं के लिए एक चुनौती बना हुआ है। सहारा रेगिस्तान के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में बसे इस 2060 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र का नाम खानाबदोशों ने बीर ताविल रखा है, जिसका अरबी में अर्थ होता है ऊंचा पानी वाला कुंआ।

आखिर कोई देश क्यों कब्जा नहीं करना चाहता : सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक तरफ जहां पड़ोस में ही जमीन के एक छोटे से हिस्से के लिए इतना बड़ा युद्ध चल रहा है ऐसे में क्यों इजिप्ट, सूडान या फिर कोई अन्य देश इस खाली जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता.. दरअसल, इसके पीछे का कारण भी ब्रिटेन और 20वीं सदी में उसके द्वारा खींची गई

सीमाएं ही हैं। एक समय पर इस पूरे इलाके पर ब्रिटेन का कब्जा था, 1899 में ब्रिटेन और तत्कालीन सूडान सरकार के बीच हुए सीमा समझौते में एक सीमा रेखा खींची गई थी। कुछ ही समय बाद ब्रिटेन के छोड़कर चले जाने के बाद इलाके में परेशानी होनी शुरू हो गई, लेकिन इस क्षेत्र को लेकर विवाद तब और ज्यादा बढ़ गया जब इजिप्ट और सूडान के बीच में 1902 में एक और सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इन दोनों सीमा समझौतों के कारण बिर ताविल एक ऐसा क्षेत्र बन गया कि अगर कोई देश उस पर अपना अधिकार जमाता है तो उसे एक बड़े हिस्से (हलाब त्रिभुज) पर से अपना अधिकार खोना पड़ेगा।

क्योंकि बिर ताविल एक सुखाग्रस्त इलाका है इसलिए यहां की जमीन में ना तो किसी तरह के कोई मिनरल्स हैं और ना ही यह जमीन उपजाऊ है। इसके कारण ना तो सूडान और ना ही इजिप्ट इस इलाके को अपने देश में शामिल करना चाहता है। दोनों ही देशों ने इस वनस्पतिविहीन और जनसंख्या विहीन इस रेगिस्तानी क्षेत्र के विवाद को अनसुलझा छोड़ना ही बेहतर समझा है। देशों ने छोड़ा तो लोग नया देश बनाने की कोशिश करने लगे दोनों देशों ने जब इस रेगिस्तानी इलाके के ऊपर के अपने विवाद को अनसुलझा छोड़ने का मन बना लिया तो कई लोगों ने इस पर अपना कब्जा जमाने की कोशिश की। 2014 में वर्जीनिया के एक किसान ने बिर ताविल में एक झंडा गाड़ दिया और खुद को उत्तरी सूडान के राज्य का गवर्नर घोषित कर दिया। उनका कहना था कि वह चाहते हैं कि उनकी बेटी राजकुमारी बनें। इसके लिए उन्होंने अपना झंडा बनाया और यहां पर गाड़ दिया। लेकिन उनके दावे को निरस्त कर दिया गया। इस घटना के तीन साल बाद 2017 में इंदौर के रहने वाले एक शख्स ने इस जगह को अपना देश घोषित कर दिया और इस जगह का नाम 'किंगडम ऑफ दीक्षित' रख दिया। उन्होंने अपने आप को यहां का राजा घोषित किया और अपने पिता को अपना प्रधानमंत्री बना लिया। इन दोनों के अलावा कई और लोगों ने भी इस जगह को अपना देश बनाने की कोशिश की। लेकिन सहारा के रेगिस्तान में इस जगह को लेकर ऐसा करना एक घूमने के उद्देश्य से ही किया गया था। सूखाग्रस्त होने की वजह से किसी भी देश की इस इलाके में दिलचस्पी नहीं है।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ीं, अपने ही सांसदों ने घेरा

ओटावा एजेंसी। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी ही पार्टी के सांसदों का उन पर भरोसा नहीं रहा है। कनाडा

में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के भीतर सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। सीबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल ही में हुए उप-चुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है, जिसके कारण असंतुष्ट सांसदों के बीच कई गुप्त बैठकें हुई। ये सांसद प्रधानमंत्री पद से जस्टिन ट्रूडो को हटाना चाहते हैं और नेतृत्व में बदलाव के लिए कम-से-कम 20 नेताओं ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी साल जून महीने में टोरंटो-सेंट पॉल उपचुनाव में ट्रूडो की पार्टी आश्चर्यजनक हार हुई थी, जिसके बाद से ही उनकी पार्टी में जबरदस्त असंतोष पनप रहा है। संसद की वापसी के साथ यह अशांति और बढ़ गई और मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और भी बढ़ गई। एशिया में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ कैटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को बैठक करने और आगे की रणनीति बनाने का मौका दे दिया। इससे पहले, टोरंटो स्टार के शुक्रवार के एक पुराने आर्टिकल में भी 52 वर्षीय ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से दबाव डालने की कोशिशों के बारे में विस्तार से बताया गया था। अखबार ने बताया कि कम-से-कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। ट्रूडो पर दबाव बनाना चाहते हैं लिबरल पार्टी के सांसद हालांकि, आर्टिकल में बताई गई संख्या से असल आंकड़े कुछ कम हो सकते हैं। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटें हैं। असहमति जताने वाले नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित इस दस्तावेज को पारंपरिक पत्र के बजाए एक प्रतिज्ञा के रूप में बताया गया है, जिसका उद्देश्य ट्रूडो के इस्तीफे के लिए सांसदों से प्रतिबद्धता हासिल करना है, ताकि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से विरोध होने पर एक बाध्यकारी समझौता बनाया जा सके।

डोनाल्ड ट्रंप की जान के पीछे पड़े दुश्मन, हत्या का एक और प्रयास; रैली में संदिग्ध बंदूकधारी गिरफ्तार

बेरूत, एजेंसी। क्या अमेरिका में चुनाव में दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का तीसरी बार प्रयास हुआ है? दरअसल, रिपब्लिकन कैंडिडेट की कैलिफोर्निया रैली के पास सुरक्षा चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। इसके पास से गोलियों से भरीं बंदूकें, कई पासपोर्ट और नकली लाइसेंस प्लेट बरामद हुआ। इसे लेकर आशंका जताई जा रहा है कि यह शख्स रैली में ट्रंप की हत्या करने के मकसद से आया था। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ चाड बियांको ने कहा, हमारा मानना है कि विभाग ने हत्या के प्रयास को रोक दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ये फिलहाल अटकलें ही हैं। जेल रिकॉर्ड के मुताबिक, संदिग्ध को शनिवार को जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि संघीय जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हम यही जानते हैं कि संदिग्ध अलग-अलग नामों से कई पासपोर्ट, फर्जी लाइसेंस प्लेट, बिना नंबर वाली गाड़ी और हथियारों के साथ चुनावी रैली में पहुंचा था। इसे देखते हुए विश्वास है कि हमने हत्या के एक और प्रयास को रोक दिया। इससे पहले, ट्रंप पर हमले की घटना बीते महीने उस समय हुई जब वह गोल्फ खेल रहे थे। उनसे कुछ ही दूरी पर तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर मैदान के किनारे झाड़ियों के बीच एके राइफल का हिस्सा बाहर निकला हुआ था।

हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर दागे ड्रोन, 4 सैनिकों की मौत और 60 से ज्यादा घायल

बेरूत, एजेंसी। ईरान समर्थित आतंकी गुट हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर ड्रोन हमले किए हैं। यह अटैक इतना घातक था कि 4 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं। इजराइली बचाव सेवा की ओर से कहा गया कि बिनयामीना शहर में स्थित सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। इजरायल की वायु-रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। हालांकि, इस बार नुकसान पहुंचा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से 2 ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। हिजबुल्लाह ने बयान में कहा कि उसने बेरूत में इजरायल की ओर से किए गए 2 हमलों के जवाब में इजरायल की सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। गुरुवार को बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले 2 दिन में यह दूसरी बार है जब इजरायल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के उपनगर में ड्रोन अटैक हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हिजबुल्लाह के 50 लड़ाकों को मार गिराया- इजरायली सेना दूसरी ओर, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50

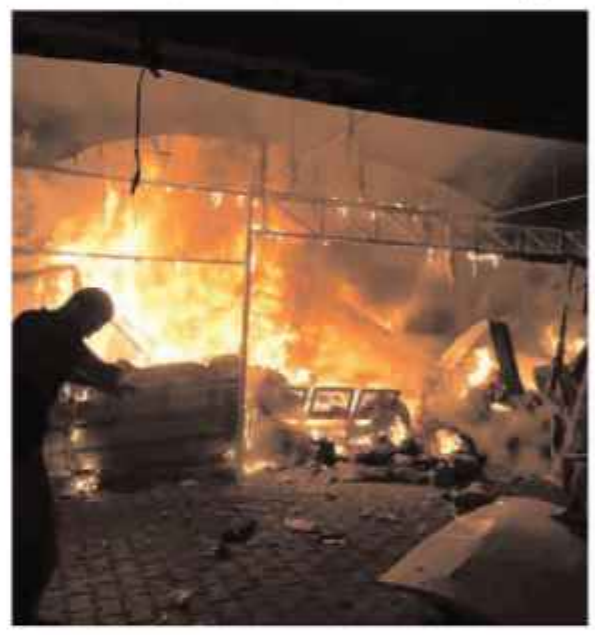

आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार रखे गए थे। इस बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपना अभियान जारी रखा। सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और टैंक फायर, शॉर्ट-रेंज फायर व वायु सेना के हमलों के माध्यम से कई आतंकवादियों को मार गिराया।

इजरायल पर आंच नहीं आने देगा अमेरिका, अब सबसे धांसू रक्षा प्रणाली की तैनाती का ऐलान

वाशिंगटन। इजरायल ईरान के बीच तल्खी बढ़ने के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। एक और जहां अमेरिका का कहना है कि वह क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी तरफ वह अपने साथी इजरायल को जंग में हर मोर्चे पर मदद भी कर रहा है। अमेरिका कथित तौर पर अपने सबसे बेहतरीन एंटी-मिसाइल सिस्टम, टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस को इजराइल भेज रहा है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भी इजरायल भेजा जाएगा। इससे पहले 13 अक्टूबर को ईरान ने अमेरिका को इजराइल का साथ ना देने की चेतावनी दी थी। हालांकि इसके तुरंत बाद ही अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर इस कदम को उठाने का ऐलान किया है। हाल ही में 1 अक्टूबर को ईरान ने इजराइल में 180 मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद से ही इजरायल इन हमलों का जवाब देने की तैयारी में है जिससे क्षेत्र में कभी भी जंग भड़क सकता है। थाड अमेरिका में निर्मित एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है। इसे बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिजाइन किया

गया है। यह छोटी, बड़ी और कम दूरी की मिसाइल हमले को आसानी से बेअसर कर सकता है। थाड एक बड़े इलाके को कवर कर सकता है और 150-200 किलोमीटर के बीच की दूरी पर दुश्मन के लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इससे पहले इजरायल ने पैट्रियट सिस्टम को भी तैनाती की थी। हर थाड बैटरी में आमतौर पर छह ट्रक-माउंटेड लॉन्चर, इंटरसेप्टर, रडार शामिल होते हैं और इसे संचालित करने के लिए करीब 95 सैनिकों की जरूरत होती है। अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण हिस्सा इस तैनाती से अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में सीधे तौर पर कूदने के संकेत दे रहा है। ईरान ने इजराइल के खिलाफ मिसाइल हमले किए हैं और अमेरिका जवाब में इजराइल की रक्षा में हर संभव प्रयास करने की बात कर चुका है। अब थाड सिस्टम की तैनाती से इजरायल की वायु सेना की क्षमता कई गुणा मजबूत हो जाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी सेना में फिलहाल सात थाड हैं।

इजरायल पर 9/11 जैसा हमला करने वाला था हमास, ऐसा क्या हुआ जो पीछे हट गए आतंकी

गाजा , एजेंसी। हमास के एक हमले के जवाब में इजरायल ने आतंकियों के गढ़ गाजा और राफा को श्मशान बना दिया है। कम से कम 44 हजार लोग मार डाले। इस भीषण नरसंहार से पहले हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर इजरायल पर विनाशकारी हमला किया था। यह हमला इतना भयावह था कि महज 20 मिनट में 5000 मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों की इतनी संख्या के कारण इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम भी उसे रोकने में नाकाम रहा। नतीजन इस हमले में 1200 से ज्यादा लोग मारे गए और इसके बाद हमास ने सीमा पार करके सैकड़ों को बंधक बना लिया। 250 में से 100 बंधक अभी भी उसके कब्जे में हैं। जिन्हें इजरायल छुड़ाने की जद्दोजहद में है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि हमास ने 7 अक्टूबर से पहले इजरायल पर 9/11 जैसा हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐन वक्त पर उसे प्लानिंग बदलनी पड़ी। 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास का इजरायल पर हवाई हमला न सिर्फ इजरायल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी उतना ही चौंकाने वाला था। इस हमले को लेकर हाल ही में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि इसकी योजना कई वर्षों से बनाई जा रही थी और इसे 2022 में ही अंजाम देने की योजना थी। हमास अमेरिका पर हुए 9/11 हमला जैसा करने की योजना बना रहा था। द न्यू यॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने इसे लेकर सनसनीखेज रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, हमास इजरायल पर एक साल पहले ही हमला कर लेता, लेकिन हिजबुल्लाह और ईरान से मदद मिलने में देरी के कारण यह मुमकिन नहीं हो पाया। हमास इन दोनों की मदद से अतिरिक्त धन से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहता था। हमास नेताओं और ईरानी अधिकारियों के बीच हुई वार्ता से जुड़े दस्तावेजों से पता चलता है कि हमास की प्लानिंग 7 अक्टूबर जैसे भयावह नरसंहार से कहीं अधिक थी।

हमास का बिग प्रोजेक्ट : ऐसा पता चलता है कि जनवरी 2022 की शुरुआत में ही हमास एक बड़े पैमाने पर ऑपरेशन पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें इजरायल में घुसकर उसके फेमस अजरीली टॉवर को 9/11 की तरह उड़ाने का विचार था। अलकायदा ने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका में दो विमानों का अपहरण किया और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में क्रैश कर दिया। इस हमले ने अमेरिका को हिला दिया था। जवाब में अमेरिका ने कुछ ही महीनों के भीतर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान स्थित उसके ठिकाने पर मार गिराया। दो वर्षों तक हमास का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इजरायल को तगड़ी चोट देकर बड़ा आघात करना चाहता था। इसके लिए उसने ईरान और हिजबुल्लाह के साथ 10 हाई लेवल की बैठकें भी की।

7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की साजिश में शामिल था ईरान? तेहरान ने दिया जवाब

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दल ने उन सभी रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें ईरान के ऊपर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। 7 अक्टूबर को हुए हमले को लेकर इजरायली सेना के हवाले से अमेरिकी अखबारों और इजरायली सरकार ने यह दावा किया था कि इजरायल के ऊपर अचानक हमला करने से पहले हमास ने एक गुप्त मीटिंग के जरिए ईरान और हिजबुल्लाह को इस बात की जानकारी दी थी। ईरानी मिशन से मीडिया कर्मियों ने जब इन दावों के ऊपर सवाल पूछा तो उन्होंने इन्हें पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं कतर में मौजूद हमास के उच्च अधिकारियों ने भी 7 अक्टूबर को हुए हमलों के बारे में बताया कि इस मिशन की जानकारी केवल गाजा में ऑपरेट कर रही हमास की सैन्य शाखा को थी। इस पूरे मिशन में उन्हें ही योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देश देने की जिम्मेदारी दी गई थी। ऐसे में इस घटना से किसी भी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह को जोड़ना गलता है। इससे पहले शनिवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इजरायली सेना ने अपने जमीनी अभियान के द्वारा हमास की गुप्त मीटिंगों के बारे में कुछ दस्तावेज जब्त किए थे, जिन्हें बाद में अखबार को दिए गए। इन दस्तावेजों में 7 अक्टूबर के हमले के साथ-साथ याह्या सिनवार और हमास के महत्वपूर्ण सूचनाएं दर्ज थीं। इन दस्तावेजों में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह दावा किया गया था कि हमास ने हिजबुल्लाह और ईरान को इस हमले के बारे में मनाने की कोशिश की थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर

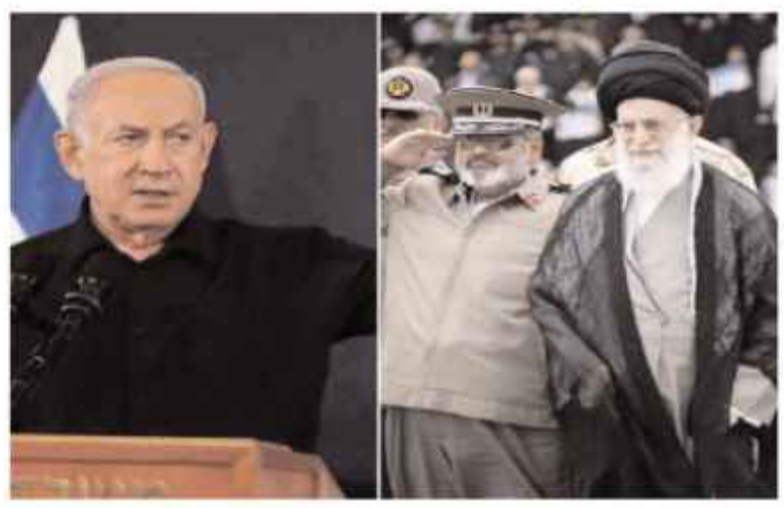

हमला करके करीब 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके साथ ही हमास के आतंकवादी करीब 250 लोगों को बंधक बना कर अपने साथ गाजा ले गए थे। इसके बाद इजरायल ने हवा और जमीन दोनों जगहों से गाजा पर हमला बोल दिया।

पिछले एक साल में इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ कर रख दी। इन हमलों के बाद लेबनान का हिजबुल्लाह और ईरानी सरकार लगातार हमास का समर्थन करते हुए नजर आए हैं। लेबनान लगातार इजरायल के ऊपर मिसाइलों और रॉकेटों से हमला कर रहा है जिसके कारण इजरायल ने हमास के बाद लेबनान में भी जमीनी कार्रवाई करने का फैसला किया और हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नसरल्लाह की हत्या कर दी थी।

गुजरात में 'शुद्धिकरण', दिल्ली में सप्लाई, 5000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति करने से पहले शुद्धिकरण के लिए दक्षिण अमेरिकी देशों से लगभग 1,300 किलोग्राम दवाएं गुजरात की एक दवा कंपनी में लाई गई थीं। दिल्ली और गुजरात में नशीली दवाओं के सिलसिलेवार भंडाफोड़ के बीच यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक गुजरात और दिल्ली से 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें नवीनतम कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी है, जिसकी कीमत लगभग 5000 करोड़ रुपये है। यह बरामदगी गुजरात और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद की गई, इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई बरामदगी दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से कोकीन की ताजा बरामदगी के एक दिन बाद, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली भेजे जाने से पहले खेप को रसायनों के साथ मिलाकर परिष्कृत किया गया था। गुजरात से गिरफ्तार आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्विनी रमानी और ब्रिजेश कोठिया शामिल हैं, जो अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के सह-मालिक हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाकी दोनों में से मयूर देसाले कंपनी में उत्पादन का काम देख रहे थे, जबकि अमित ने मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और दवा कंपनी के मालिकों के बीच मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान में डेंगू से अब तक 6 मौतें... दहशत में लोग

जयपुर। राजस्थान में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस साल डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 साल का लड़का भी शामिल है। 14 साल के गिरिराज को अलवर के एक अस्पताल में तेज बुखार के साथ भर्ती किया गया था। मरीज में डेंगू की पुष्टि की गई। हालांकि, दो दिन के उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, सोमवार को मरीज की हालत फिर बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिली है कि डेंगू से मरने वाला गिरिराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। अब तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू से 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक आरएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक नर्सिंग छात्रा और एक व्यापारी शामिल हैं। उदयपुर में आरएएस अधिकारी तारू सुराणा की करीब 17 दिन तक डेंगू का इलाज चलने के बाद 5 अक्टूबर को मौत हो गई।

बहराइच हिंसा : मृतक के परिजन चाहते हैं सीएम योगी करें इंसाफ, हमें न्याय चाहिए

लखनऊ। बहराइच हिंसा में मारे गए शख्स के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से आरोपियों का एनकाउंटर करने की बात कही। मृतक की पत्नी ने कहा कि जैसे मेरे पति को मारा, वैसे ही उन्हें भी मारा जाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या सीएम योगी से न्याय मिलेगा तो उन्होंने कहा कि ये तो हमें जाकर ही पता चलेगा कि न्याय करते हैं या नहीं। हमें तो खून के बदले खून चाहिए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि पुलिस ने जो कार्रवाई की है, आप उससे संतुष्ट हैं या नहीं तो इस पर मृतक की पत्नी ने कहा कि हम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जब तक उन लोगों को सजा नहीं मिलती, हम संतुष्ट नहीं होंगे। वहीं परिवार के एक सदस्य ने कहा कि हमें न्याय मिलना चाहिए। हमने देखा कि उसकी हालत क्या थी। उस दौरान मेरे साथ कोई और नहीं था। न पुलिस और न ही कोई और। पूरी लापरवाही पुलिस की रही। उन्होंने आगे पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन और एसओ की लापरवाही नहीं होती तो कुछ नहीं होता। अगर लाठीचार्ज नहीं होता तो कुछ नहीं होता। हम गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं है। हमें उसका एनकाउंटर चाहिए। मृतक की मां ने कहा कि मेरा बेटा तो चला गया, अब हम क्या करेंगे। हमें बस न्याय मिलना चाहिए। वहीं मृतक के भाई ने कहा कि सीएम योगी से मिलने जा रहे हैं, उनको पूरी बात बताएंगे। हम पुलिस की कार्रवाई से खुश नहीं हैं। पुलिसवालों की लापरवाही का ही ये नतीजा है। मैं वहीं मौजूद था जब हत्या हुई थी। हमें न्याय चाहिए।

इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा

नई दिल्ली। सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा होती है। शरद पूर्णिमा व्रत को कौमुदी व्रत, कोजागरी व्रत और रास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन चांद अपनी पूरी 16 कलाओं से युक्त होता है। मान्यता है कि इस चंद्रमा की चांदनी अमृत से युक्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन मां लक्ष्मी रात्रि में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा होता है, उन्हें मां सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 16 को रात 08:40 बजे पर होगा। आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04:55 बजे पर होगा। इस दिन चंद्रमा के निकलने का समय शाम 05 बजकर 05 मिनट पर होगा। शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग के साथ उत्तराभाद्र और रेवती नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा मीन राशि में रहेंगे। इस दिन रात में गाय के दूध की खीर बनाकर अर्द्ध रात्रि को भगवान को भोग लगाकर खीर को चांदनी रात में रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की किरणों से खीर में अमृत प्राप्त होता है। आधी रात में चंद्रमा को भी अर्घ्य देना चाहिए। पूर्णिमा की चांदनी औषधि गुणों से युक्त होती है। इसमें रखी खीर का सेवन करने से चंद्र ग्रह संबंधी दोष जैसे कफ सर्दी छाती के रोग, मानसिक कष्ट या डिप्रेशन की समस्या और हार्मोनल संबंधी बीमारी में लाभकारी है।

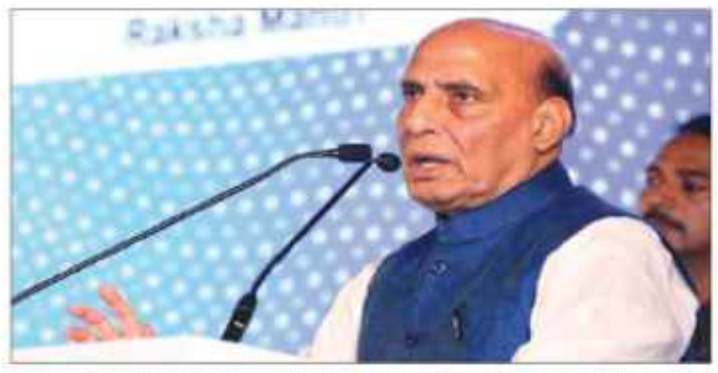

राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला, कही ये बड़ी बात

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुंडम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो वह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूं। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नज़र में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है।

राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की आज जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के डिफेन्स सेक्टर में जो महान योगदान किया है उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास भी इस बात का गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया मेंअपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तो हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना तो जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मजबूत होना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहां तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तो चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर इस प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बातहो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियों का पूरा ध्यान रखा गया है। हमने इस बात का भी ध्यान रखा है, कि इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण के समय, अगर कहीं जरूरत हुई तो, प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की भी व्यवस्था सुनिश्चित करना की जाएगी।

लगा पटाखे फूट रहे हैं, तभी लोग चिल्लाने लगे फायरिंग हुई, फायरिंग हुई

-बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में घायल बोला-ऐसा लगा कोई पटाखा पैर के पास फूटा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के दौरान ही पैर में गोली लगने से घायल हुए युवक राज कनौजिया की स्थिति खतरे से बाहर है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जताया और वारदात के बारे में बताया कि गोली लगने के बाद अब वह दो महीने तक किसी भी तरह के एक्शन से दूर रहेगा, जिसके चलते अगले साल फरवरी में होने वाली उसकी बहन की शादी में शामिल होना मुश्किल हो जाएगा। कनौजिया का कहना है कि जब गोली चली तो उसे लगा कि पैर के पास आकर कोई पटाखा फूटा है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स ने उसकी सर्जरी की है। राज ने बताया कि दशहरा होने के चलते उसकी छुट्टी शाम 5 बजे हो गई थी। वह सिलाई का काम करता है। देव मां के दर्शन करने के लिए वह यहां आया था और दुकान पर खड़े होकर जूस पी रहा था। तभी अचानक वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान राज के पैर में कुछ आकर टकराया। देखा तो उसके पैर से खून निकल रहा था। लोग इधर-उधर भागने लगे। लोग चिल्लाने लगे, फायरिंग हुई है, फायरिंग हुई है। एक पैर पर लंगड़ाते हुए वह किसी तरह मंदिर में पहुंचा। कुछ लोगों ने मुझे अंदर ले गए फिर मुझे अस्पताल ले जाया गया।

90 साल का भी हो जाऊंगा तो भी लोगों के लिए काम करता रहूंगा: शरद पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होना है। चुनाव आयोग दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों का ऐलान करेगा। इस बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं काम करता रहूंगा। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर ही रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करते रहेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-(एसपी) के नेता हैं। शरद पवार ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

उन्होंने कहा कि आप जब भी अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी वह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि मजे की बात तो यह है कि बीते दस सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फडणवीस के समय में पूरे पांच साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं। उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा चुनाव लड़ा है। लगातार आप लोगों की सेवा में ही लगा रहता हूं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है।

सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार को पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उन्होंने संगठन में बदलाव पर जोर दिया और कहा कि बीते 10 सालों में संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है। सैलजा ने कहा कि पार्टी को फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं से बात करेगी और उनकी राय ली जाएगी। यह पूछा जाएगा कि आखिर आप हार के क्या कारण मानते हैं। सैलजा ने कहा रिपोर्ट आने के बाद ही हाईकमान फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो हार हुई है, उसका अनुमान तो किसी को भी नहीं था। फिर भी किसी नतीजे तक पहुंचने से पहले हम फीडबैक लेंगे।

वहीं आपसी कलह पर राहुल गांधी के गुस्से वाली खबरों को सैलजा ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि हरियाणा चुनाव की बड़ी वजह कलह को ही माना जा रहा है। चर्चा है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के हाथ में ही चुनाव की पूरी कमान होने से सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने दूरी बना ली।

इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह यादव जैसे नेता भी उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा की ओर से बदलाव की मांग ने रार को नए सिरे से तेज कर दिया है। बता दें कि सभी एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब नतीजे आए तो कांग्रेस नेता समेत राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या 55 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि 29 सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारुक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेज सकती है, जबकि बीजेपी अपने किसी वरिष्ठ नेता को उच्च सदन में भेज सकती है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, जिन्हें चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वे भाजपा के राज्यसभा नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को चार राज्यसभा सीटों में से एक में मैदान में उतारकर संसद भेज सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार में केवल 10 मंत्री हो सकते हैं, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने सबसे खराब प्रदर्शन में केवल छह सीटें जीतीं।

मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा, यूपी में भी बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है।

इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और वह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे। उपचुनाव में 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 रिक्त सीटों में से नौ पर उपचुनाव की घोषणा की। चुनाव याचिका लंबित होने के कारण उसने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की। लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद सीसामऊ को छोड़कर सभी सीटें खाली हो गईं। सीसामऊ में सपा विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप... 1 हजार पहुंची मरीजों की संख्या

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में डेंगू धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां ग्वालियर में मरीजों का आंकड़ा एक हजार को पार कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय हालात पर काबू पाने सक्रिय है। साफ सफाई अभियान से लेकर जमाव वाले पानी की जांच हो रही है। घर-घर सर्वे भी हो रहा है। राज्य के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ताजा आंकड़े के अनुसार ग्वालियर में 1000 से ज्यादा, भोपाल में 450, इंदौर में 440 और जबलपुर में 325 डेंगू के मामले सामने आए हैं। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर सर्वे कर साफ सफाई का अभियान भी चलाए हुए हैं मगर यह कोशिशें नाकाफी साबित हो रही है। उसका कारण भी है क्योंकि फागिंग मशीन हर इलाके में नहीं पहुंच पा रही है, जिससे मच्छरों की संख्या कम नहीं हो पा रही है, वहीं जगह-जगह पानी का जमाव है। यह स्थितियां मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार है।

इस स्थिति पर ग्वालियर की उच्च न्यायालय खंडपीठ ने भी चिंता जाहिर की है। खंडपीठ की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ग्वालियर में दलदली खुली भूमि पर जो पानी भरा है उस पानी को खत्म किया जाए, बीमारी को रोकने का एक मजबूत सिस्टम बनाया जाए। इसके साथ ही जो मरीज सामने आते हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती करने के अलावा गंभीर मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था की जाए। बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए नियमित सफाई और दवा के छिड़काव के साथ फॉगिंग मशीन का उपयोग करना जरूरी है।

जबलपुर के मलेरिया विभाग के अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर सितंबर में डेंगू का असर कम होता है मगर इस बार बारिश का सिलसिला ज्यादा दिन चला है, ऐसी स्थिति में सतर्क रहने की जरूरत ज्यादा है। जबलपुर में तो पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू के मरीज दोगुने से ज्यादा सामने आए हैं। आने वाले दिनों में मरीजों संख्या ज्यादा न बढ़े इसके लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुई और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं। श्री स्टालिन ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में किए गए एहतियाती इंतजामों की भी समीक्षा की इन जिलों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट और तीन अन्य जिलों के साथ कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी तमिलनाडु और आंतरिक जिलों सहित राज्य के कुल 15 जिलों में आज भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, चेन्नई क्षेत्रीय मौसम निदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है, क्योंकि पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश होगी।

कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि आज भारी बारिश और कल अत्यधिक बारिश की संभावना है। इस बीच, मध्य क्षेत्र सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में कल शाम से छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश हुई, जिससे मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। चेन्नई शहर और उपनगरों में भी कल रात से छिटपुट बारिश हुई और पूरी सरकारी मशीनरी तथा ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बारिश के कहर से निपटने के लिए सभी एहतियाती इंतजाम किए हैं।